लखनऊ

बुधवार, 10 सितम्बर, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 61

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

जीवन में कबि यह मत सोचो की, मेरे से बुरा आदमी मेरे से ज़्यादा सुखी क्यों है। पर यह जरूर सोचना की, मेरे से अच्छा आदमी मुझसे ज़्यादा दुखी क्यों है।

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन बनेंगे देश के नए उपराष्ट्रपति, विपक्ष के सुदर्शन रेड्डी को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे सीपी राधाकृष्णन होंगे। उन्होंने उपराष्ट्रपति चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंदी बी सुदर्शन रेड्डी को हराया है। सीपी राधाकृष्णन को 452 वोट हासिल हुए जबकि बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। भारत के उपराष्ट्रपति के महत्वपूर्ण पद पर चुनाव इसलिए हुआ क्योंकि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था। सत्तारूढ़ एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया था जबकि विपक्ष ने सुदर्शन रेड्डी पर भरोसा जताया था।

राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी ने कहा कि एनडीए उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 वोट मिले। उन्हें भारत का उपराष्ट्रपति चुना गया है। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी को प्रथम वरीयता के 300 वोट मिले। मतदान समाप्त होने के बाद आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 781 में से 12 सांसदों ने मतदान नहीं किया। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 767 वोट डाले गए, 752 वैध और 15 अवैध थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न दलों के सांसदों ने देश के नए उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान किया। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य इस चुनाव में हिस्सा लेते हैं। मतदान शुरू होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। देश के 17वें उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए, निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में पांच सीटें रिक्त हैं), तथा 12 मनोनीत सदस्य और लोकसभा के 543 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में एक सीट रिक्त है) शामिल हैं। निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य (वर्तमान में 781) हैं। इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से जबकि रेड्डी तेलंगाना से हैं। संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उनका कार्यकाल दो साल बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के कारण यह चुनाव हो रहा है। विभिन्न दलों द्वारा दिए गए समर्थन को आधार बनाकर आंकड़ों के लिहाज से देखें तो राजग उम्मीदवार का पलड़ा भारी है। हालांकि विपक्ष के उम्मीदवार रेड्डी ने बार-बार यह कहकर अपनी दावेदारी को मजबूत करने का प्रयास किया कि लड़ाई वैचारिक है तथा यह मतदान सिर्फ उप राष्ट्रपति चुनने के लिए नहीं है, बल्कि भारत की भावना के लिए है। चुनाव से एक दिन पहले सोमवार को विपक्ष के सांसदों ने एकजुटता प्रकट करते हुए बैठक की थी और 'मॉक' (प्रतीकात्मक) मतदान में हिस्सा लिया था ताकि मंगलवार को मतदान के बाद उनका एक-एक वोट वैध करार हो। विपक्षी सांसदों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि उनका वोट बर्बाद न हो, क्योंकि पिछली बार कुछ वोट अवैध घोषित कर दिए गए थे।

पीएम मोदी ने हिमाचल बाढ़ का हवाई जायजा लिया, बोले– राहत में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा से बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित मंडी और कुल्लू जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया और भारी मानसूनी बारिश से हुई तबाही का जायजा लिया। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए के सीपी राधाकृष्णन और इंडिया ब्लॉक के बी सुदर्शन रेड्डी के बीच उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान किया था। नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में बाढ़ से प्रभावित लोगों से बातचीत की। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति का आकलन करते हुए मोदी ने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ कर्मियों के साथ बातचीत की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लिए 1500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। एसडीआरएफ और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृतियाँ, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के तहत राहत का प्रावधान और पशुधन के लिए मिनी किट जारी करने का काम भी किया जाएगा। नरेंद्र मोदी ने बाढ़ और प्राकृतिक आपदा में मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति पर एक प्रेजेंटेशन देखते हुए नरेंद्र मोदी। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी उनके साथ रहे। बाद में मोदी ने एक्स पर लिखा कि हिमाचल प्रदेश में भारी बाढ़ और लैंडस्लाइड से प्रभावित कुछ लोगों से बातचीत की। उनकी पीड़ा के साथ ही त्रासदी से हुआ नुकसान मन को व्यथित करने वाला है। खराब मौसम का संकट झेल रहे हर व्यक्ति तक राहत और सहायता पहुंचे, इसके लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने लिखा कि हवाई सर्वेक्षण के जरिए हिमाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड की स्थिति का जायजा लिया। इस कठिन समय में हम प्रदेश के अपने भाई-बहनों के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। इसके साथ ही प्रभावित लोगों की मदद के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इससे पहले हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने मंगलवार को राज्य के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में उपयोग के लिए 35 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज का राज्य दौरा राहत और बहाली कार्यों में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा।

संक्षेप

नॉर्थ दिल्ली में बड़ा हादसा: पंजाबी बस्ती में 4 मंजिला इमारत ढही, 14 लोगों का रेस्क्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के सब्जी मंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत पंजाबी बस्ती में मंगलवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया, जब एक चार मंजिला इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। दिल्ली फायर सर्विस को मंगलवार सुबह 2.52 बजे इस घटना की सूचना मिली। गनीमत रही कि हादसे के समय इमारत खाली थी, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई है। जानकारी सामने आई है कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने पहले ही इस इमारत को खतरनाक घोषित कर रखा था। हादसे के बाद पास की एक इमारत में फंसे 14 लोगों को दिल्ली फायर सर्विस के कर्मियों ने सुरक्षित निकाला। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान कुछ लोगों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली फायर सर्विस की 5 गाड़ियां मौके पर तैनात हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। इमारत के मलबे में कई वाहन दब गए हैं। दिल्ली फायर सर्विस, दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्य में जुटी हैं। हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इमारत की जर्जर स्थिति इसके ढहने का प्रमुख कारण हो सकती है। प्रशासन ने क्षेत्र की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, और जांच जारी है। स्थानीय युवक ने बताया कि मकान मालिकों को दो महीने पहले ही बोला गया था कि बिल्डिंग को खाली कर दो, लेकिन इन लोगों ने बात नहीं मानी। रात को करीब 2.52 मिनट पर मैंने देखा कि बिल्डिंग हिल रही है। इसके बाद मैंने शोर मचाया और सभी को बताया कि बिल्डिंग गिरने वाली है। उसके बाद मैं खुद एक सेफ जगह पर जाकर खड़ा हुआ।

'पिता के हत्या की जांच के केस में पुलिस अपना रही 'लापरवाह' रवैया', जीशान सिद्दीकी का बड़ा आरोप

मुंबई, एजेंसी। एनसीपी नेता जीशान सिद्दीकी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि मुंबई पुलिस उनके पिता बाबा सिद्दीकी की हत्या की जांच को लेकर लापरवाह रवैया अपना रही है। संवाददाताओं से बातचीत में जीशान सिद्दीकी ने कहा कि अगर जांच गंभीरता से की जाती, तो एक साल में पुख्ता प्रगति होनी चाहिए थी। उन्होंने डीसीपी क्राइम ब्रांच राज तिलक रोशन से मुलाकात कर जांच में तेजी लाने की मांग की। बाबा सिद्दीकी, जो महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री थे, की 12 अक्तूबर 2024 को बांद्रा में जीशान सिद्दीकी के ऑफिस के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस अब तक इस मामले में कम से कम 25 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस के अनुसार, जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने जीशान अख्तर और शुभम लोंकर को यह सुपारी दी थी। कुछ महीने पहले अख्तर को कनाडा में पकड़ा गया था। जीशान सिद्दीकी ने कहा कि पुलिस की बैठकों में लापरवाही, प्रक्रिया में देरी और ठोस कदम न उठाने का रवैया साफ नजर आ रहा है। उन्होंने बताया कि वे नियमित रूप से एनसीपी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार से बात कर रहे हैं और उन्हें न्याय दिलाने के लिए उनका पूरा समर्थन मिला है। जीशान सिद्दीकी ने आगे कहा, 'हमने आरटीआई अपील दायर की थी।

भारतीय बरतें सावधानी, शांति से हो समाधान... नेपाल के हालातों पर भारत की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल में इस समय हिंसक झड़प देखी जा रही है। युवा ओली सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही अब तक 21 लोगों की इस प्रदर्शन में मौत हो गई है। इसी के बाद अब मंगलवार को भारत ने नेपाल के हालात पर एडवाइजरी जारी की है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध को लेकर हुई हिंसक झड़पों के बाद भारत ने नेपाल में रह रहे अपने सभी नागरिकों से सुरक्षा को लेकर अपील की है।

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में सभी भारतीय नागरिकों से सावधानी बरतने और नेपाल प्रशासन की ओर से दिए गए निर्देशों और गाइडलाइंस का पालन करने की अपील की है।

भारत ने जारी की एडवाइजरी

साथ ही भारत ने नेपाल में छिड़े विरोध प्रदर्शन के दौरान मारे गए युवाओं को लेकर दुख व्यक्त किया है। पीड़ित परिवारों के प्रति सहानुभूति जताई है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, हम सोमवार से नेपाल की घटनाओं पर नजर बनाए हुए हैं और कई युवाओं की जान जाने से गहरा दुख पहुंचा है। हमारी संवेदनाएं मृतकों के परिवारों के साथ हैं। हम घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना करते हैं। एक घनिष्ठ मित्र और पड़ोसी के रूप में हम उम्मीद करते हैं कि सभी संबंधित पक्ष संयम बरतें और किसी भी समस्या का समाधान शांति और संवाद के जरिए से करें। साथ ही हालातों को लेकर विदेश मंत्रालय ने कहा, नेपाल के मौजूदा हालात पर सभी पक्ष बातचीत से समाधान करे।

नागरिकों से की सावधानी बरतने की अपील

साथ ही विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा, हमने यह भी देखा है कि काठमांडू और नेपाल के कई अन्य शहरों में कर्फ्यू लगाया गया है। नेपाल में रह रहे भारतीय नागरिकों से अनुरोध है कि वो सावधानी बरतें और नेपाल प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों और गाइडलाइंस का पालन करें।

21 लोगों की हुई मौत

काठमांडू की सड़कों पर उतरे लोगों में खासा गुस्सा देखा जा रहा है। यह विरोध प्रदर्शन सोशल मीडिया साइट्स पर बैन लगाने के बाद शुरू हुआ था। लेकिन, सरकार ने बैन हटा दिया है। इसके बाद भी प्रदर्शन जारी है। अब लोगों का कहना है कि विरोध प्रदर्शन रुकने वाला नहीं है। अब ये विरोध प्रदर्शन सोशल मीडिया के खिलाफ नहीं बल्कि भ्रष्टाचार के खिलाफ है। नेपाल में सोमवार को सोशल मीडिया की 26 साइट्स पर बैन से गुस्साए 18 से 30 साल के युवा वर्ग ने सरकार के खिलाफ हल्ला बोल दिया।

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले अखिलेश का बड़ा बयान, भाजपा नेताओं को यूज एंड थ्रो करती है

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उपराष्ट्रपति चुनाव के बीच, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अपने नेताओं के साथ 'इस्तेमाल करो और फेंक दो' वाली पार्टी होने का आरोप लगाया और दावा किया कि उन्होंने कथित तौर पर लापता पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के साथ भी ऐसा ही किया था। उन्होंने कहा कि एनडीए के पास जीत हासिल करने के लिए पर्याप्त संख्याबल हो सकता है, लेकिन इस चुनाव के लिए मतदान 'अपनी अंतरात्मा की आवाज़ पर' होना चाहिए। सपा प्रमुख ने एएनआई से कहा कि संख्याबल ठीक है, लेकिन यह मतदान अपनी अंतरात्मा की आवाज़ पर होता है। पूरा देश जानता है कि भाजपा एक 'इस्तेमाल करो और फेंक दो' वाली पार्टी है। उपराष्ट्रपति के साथ भी यही हुआ, जो लापता हैं...संख्याबल हमारे पक्ष में होगा। उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी दलों और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिल रहा है। भाजपा ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को मैदान में उतारा है, जबकि विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है। सपा के एक अन्य सांसद राजीव राय ने एनडीए नेताओं से 'संविधान की रक्षा' करने और पार्टी लाइन से हटकर काम करने की अपील की। राय ने एएनआई से कहा, 'मैं एनडीए के अपने सहयोगियों से अपील करता हूँ कि यह उनका आखिरी मौका है - चाहे वे किसी ऐसे व्यक्ति का समर्थन करें जो संविधान में विश्वास रखता हो और उसकी रक्षा करता हो, या किसी ऐसे व्यक्ति का समर्थन करें जो एक खास विचारधारा का समर्थन करता हो और नफरत फैलाता हो। उन्हें ऐसे व्यक्ति को वोट देना चाहिए जो संविधान की रक्षा करता हो और इंडिया एलायंस के उम्मीदवार को जिताए।'

आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका के मानदेय में हुई बढ़ोतरी पर लगी मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्य सरकार ने आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका के मासिक मानदेय में बढ़ोतरी कर दी है। इसके तहत सेविका को अब 7 हजार के स्थान पर 9 हजार रुपये तथा सहायिका को 4 हजार से बढ़ाकर 4500 रुपये प्रति महीने दिए जाएंगे। इसके लिए राज्य योजना मद से प्रतिवर्ष 345 करोड़ 19 लाख 20 हजार रुपये अतिरिक्त व्यय की मंजूरी कैबिनेट से दी गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में 25 एजेंडों को सहमति दी गई। इससे संबंधित विस्तृत जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने सूचना भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में राजस्व कर्मचारी के 3 हजार 303 नए पद की मंजूरी दी गई है।

संभल हिंसा पर सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क को राहत, हाईकोर्ट ने कार्यवाही पर अगले आदेश तक लगाई रोक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल की जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा से जुड़े मामले में सपा के सांसद जिया उर रहमान बर्क को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने संभल के विशेष जज (एमपी/एमएलए) कोर्ट में चल रही आगे की कार्यवाही पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। सांसद जिया उर रहमान बर्क ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर विशेष जज की अदालत में चल रही पूरी कार्यवाही को रद्द करने की मांग की है। याचिका पर जस्टिस समीर जैन की एकल पीठ सुनवाई कर रही है।

24 नवंबर 2024 को संभल स्थित जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हिंसा भड़काने का आरोप लगाते हुए सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क के खिलाफ कोतवाली थाने में एक एफआईआर दर्ज की गई थी। अब इस मामले की अगली सुनवाई तक सांसद को फिलहाल राहत मिल गई है। दरअसल, संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क उठी थी, जिसके चलते पांच लोगों की मौत हुई और 20 पुलिसकर्मियों सहित कई लोग घायल भी हो गए थे।

इस मामले में संभल पुलिस ने बर्क को मुख्य आरोपी बनाया है। हालांकि, उन्होंने सभी आरोपों से इनकार किया और कहा कि उन पर लगाए गए आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। सांसद का तर्क है कि उनकी गिरफ्तारी से उन्हें अपूरणीय क्षति होगी और वह घटना के दौरान संभल में मौजूद नहीं थे।

बर्क के अनुसार, संभल में हिंसा के दौरान वह बेंगलुरु में थे, और एफआईआर के बारे में जानने के बाद उन्होंने मामले को बढ़ने से रोकने के लिए दिल्ली में ही रहने का फैसला किया। सांसद का कहना है कि उन्होंने समुदाय के सदस्यों से संपर्क किया और उनसे शांति बनाए रखने का आग्रह किया।

संभल पुलिस ने बर्क पर हिंसा से कुछ दिन पहले मस्जिद में भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाया। दावा है कि उनके बयान के बाद ही अशांति भड़की थी। इसके अलावा, एफआईआर में स्थानीय विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल का भी नाम है, जो इस घटना में कथित तौर पर शामिल है। बर्क ने अपनी याचिका में आरोपों को निराधार बताया है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरोप उन्हें और उनकी पार्टी को निशाना बनाने के एक बड़े प्रयास का हिस्सा हैं। शाही जामा मस्जिद को मंदिर के ऊपर बनाए जाने के दावों के बाद बढ़े तनाव के बीच हिंसा भड़की। पत्थरबाजी और आगजनी के साथ स्थिति और बिगड़ गई, जिसमें कई पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

देश की सुरक्षा के लिए सैटेलाइट्स अहम, ऑपरेशन सिंदूर में ऐसे निभाई भूमिका: वी. नारायणन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वी. नारायणन ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी सैटेलाइट्स ने बिना किसी रुकावट के लगातार काम किया और सेना को जरूरी मदद पहुंचाई। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सभी सैटेलाइट्स 24 घंटे बेहतरीन तरीके से काम कर रहे थे और हर जरूरत को पूरा कर रहे थे।' नारायणन ने बताया कि फिलहाल भारत के पास 58 सक्रिय सैटेलाइट्स कक्षा (ऑर्बिट) में काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लक्ष्य तय किया है कि अगले तीन साल में यह संख्या तीन गुना हो जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर 7 मई 2025 को शुरू किया गया था। यह ऑपरेशन पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू हुआ, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की मौत हुई थी। यह सेना का त्रि-सेवा (थलसेना, वायुसेना और नौसेना) संयुक्त अभियान था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के भीतर आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त करना था।

समुद्री तट और उत्तरी सीमाओं की निगरानी जारी- नारायणन

उन्होंने आगे कहा- हमें अपने 7000 किलोमीटर लंबे समुद्री तट और उत्तरी सीमाओं की लगातार निगरानी करनी होती है। सैटेलाइट और ड्रोन तकनीक के बिना यह संभव नहीं है।' वी नारायणन के मुताबिक, इन सैटेलाइट्स की मदद से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

'देश की सुरक्षा के लिए सैटेलाइट्स का होना बहुत जरूरी'

सरकार की तरफ से 14 मई को जारी एक आधिकारिक बयान में भी इसरो की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र किया गया था। इसमें कहा गया कि कम से कम 10 सैटेलाइट्स लगातार निगरानी के लिए काम कर रहे थे। इसरो प्रमुख ने कहा, 'देश की सुरक्षा के लिए सैटेलाइट्स का होना बहुत जरूरी है।

400 से अधिक वैज्ञानिकों संभाला था मोर्चा

इसरो प्रमुख ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 400 से अधिक वैज्ञानिकों ने पृथ्वी अवलोकन और संचार उपग्रहों का उपयोग करके सहायता प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे काम किया। सशस्त्र संघर्षों में अंतरिक्ष क्षेत्र की भूमिका ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्पष्ट रूप से सामने आई, जिसमें ड्रोन और युद्ध सामग्री का व्यापक उपयोग किया गया तथा स्वदेशी रूप से विकसित आकाश तीर जैसी वायु रक्षा प्रणालियों की क्षमताओं का परीक्षण किया गया।

चंद्रयान-4 और चंद्रयान-5 मिशन पर काम कर रहा इसरो

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष वी. नारायणन ने मंगलवार को बताया कि संगठन चंद्रयान-4 और चंद्रयान-5 मिशन पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि 2028 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस)' का पहला मॉड्यूल कक्षा में स्थापित किया जाएगा और 2035 तक यह पूरी तरह तैयार होगा। नारायणन ने बताया कि अगले तीन साल में वर्तमान की तुलना में तीन गुना ज्यादा सैटेलाइट्स लॉन्च किए जाएंगे। साथ ही, मार्क-III लॉन्चर की क्षमता 4000 किलोग्राम से बढ़ाकर 5100 किलोग्राम की जाएगी, वह भी बिना अतिरिक्त लागत के। गगनयान मिशन के तहत इस साल बिना चालक वाला मिशन लॉन्च होगा और 2027 की पहली तिमाही में मानवयुक्त मिशन भेजा जाएगा। दो भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और प्रशांत नायर को अमेरिका में प्रशिक्षण दिया गया है। नारायणन ने बताया कि प्रधानमंत्री के विजन के तहत 2040 तक भारत चंद्रमा पर लैंड करेगा और अंतरिक्ष कार्यक्रम दुनिया में शीर्ष स्तर पर पहुंचेगा।

'2040 तक भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम दुनिया में शीर्ष पर होगा'

इसरो प्रमुख ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में 2040 तक भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम दुनिया में शीर्ष स्थान पर होगा। उनके निर्देशन और दृष्टिकोण के आधार पर, हम चंद्रयान-4 मिशन शुरू करने जा रहे हैं। हम वीनस ऑर्बिटर मिशन शुरू करने जा रहे हैं।

लखीमपुर खीरी के ग्रंट नंबर 12 गांव में शारदा ने बरपाया कहर

12 घंटे में पांच मकान नदी में समाए

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जिले में शारदा नदी का जलस्तर घट रहा है, लेकिन कटान के कहर से ग्रंट नंबर 12 गांव के हालात और बदतर होते जा रहे हैं। सोमवार शाम से मंगलवार सुबह तक गांव के पांच मकान नदी में समा गए। कटान के कहर से गांव के संजय पुत्र श्रीपाल, कलावती पत्नी मेवा, पुष्पा देवी पत्नी राकेश, सर्वेश कुमार पुत्र शारदा प्रसाद और संकटा पुत्र बद्री बेघर हो गए। आंखों के सामने ग्रामीणों की जिंदगीभर की जमा-पूंजी शारदा में बह गई। ग्रामीणों के मुताबिक गांव के दो मंदिर और 59 मकान नदी में समा चुके हैं। उनकी सैकड़ों बीघा जमीन

भी नदी लील गई है।

कटान पीड़ित संजय ने बताया कि उनकी जमीनें पहले ही नदी में समा चुकी थीं, अब मकान भी उजड़ गया। मजबूरन परिवार को सड़क किनारे डेरा डालकर रहना पड़ रहा है। कलावती फफकते हुए बोलीं, न जान कौन-सी गलती की सजा हमें मिल रही है? कभी खुशहाल रहा गांव अब रोटी और छत दोनों से महरूम है। गांव के लोगों की पीड़ा यही है कि राहत के नाम पर उन्हें लंच पैकेट तो मिल रहे हैं, लेकिन सुरक्षित छत और जमीन की व्यवस्था कब होगी, इसका जवाब किसी के पास नहीं है। नदी के कटान से हर कोई दहशत में है।

स्कूलों में ताले, बच्चों की पढ़ाई ठप

बाढ़ और कटान ने बच्चों की पढ़ाई भी रोक दी है। खंड शिक्षा अधिकारी धर्मेश कुमार यादव ने बताया कि कंपोजिट स्कूल ग्रंट नंबर 12 में करीब 215 और मजरा केतकहिया के स्कूल में 100 बच्चे नामांकित हैं। दोनों ही स्कूल बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। फिलहाल शिक्षकों को निघासन बीआरसी पर उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्रामीणों की मांग- स्थायी समाधान हो

तहसीलदार मुकेश वर्मा ने बताया कि गांव वग्रंट नंबर 12 में अब तक करीब 12000 लंच पैकेट के साथ साथ 800 राहत किट वितरित करवा चुके हैं। वहीं राजस्व टीम के साथ क्षेत्रीय लेखपाल श्याम नन्दन मिश्रा गांव में ही कैंप किए हुए हैं। प्रशासन हालात पर नजर रखे हुए हैं।

कांग्रेसियों ने जयंती पर बाबा रामलाल को किया याद, दी श्रद्धांजलि

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रांगण में अवध किसान आंदोलन के प्रणेता महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व बाबा रामलाल मिश्र की 157 वीं जयंती श्रद्धांजलि सभा के रूप में मनाई गई। आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि स्व बाबा रामलाल मिश्र आने वाली पीढ़ियों के भी नायक हैं। स्वतंत्रता संग्राम में जिस तरह बाबा रामलाल ने अंग्रेजी हुकूमत का मुकाबला किया वह अतुलनीय रहा, उन्होंने विक्टोरिया मंजिल पर जिस परिस्थिति में तिरंगा फहराया था वह सोचकर हम लोग आज भी रोमांचित होते है। उन्होंने कहा कि बाबा रामलाल का जीवन हमेशा अंग्रेजों से संघर्ष करते हुए बीता है गांधी, नेहरू, पटेल ने भी किसान आंदोलन में उनके योगदान की सराहना की थी। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ओपी चौधरी ने कहा कि बाबा रामलाल स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रदूत के रूप में सदैव याद किये जाते रहेंगे। शहर अध्यक्ष ने कहा कि स्व बाबा रामलाल की जीवटता सदियों तक प्रासंगिक रहेगी। कार्यक्रम के आयोजक बाबा रामलाल के प्रपौत्र व पूर्व नपा अध्यक्ष प्रत्याशी वरुण मिश्र ने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं बाबा के परिवार से हूं। वही कार्यक्रम में सम्मिलित सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार मिश्र मुन्नू, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी लक्ष्मीकांत मिश्र, जिला प्रवक्ता सियाराम त्रिपाठी, पी सी सी सदस्य हौसिला प्रसाद भीम, रायबरेली जनपद के कॉर्डिनेटर योगेश प्रताप सिंह, शुभम रावत, मोहम्मद अतीक, युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव मोहित तिवारी, शहबाज खान, पी सी सी सदस्य योगेश पाण्डेय, नन्दलाल मौर्य, इमरान अहमद, महेश मिश्र वैद्य, रियाज अहमद खान, गुंजन मिश्र गोलू अभिषेक सिंह, अनुराग मिश्र आदि लोग उपस्थित रहे।

यमुना का तांडव . . .उजाड़ दिया आशियाना, बेटी की शादी का सामान भी ले गई लहरें, मंजर देख रो पड़े घरवाले

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में यमुना के किनारे बसे रिहायशी इलाकों में बाढ़ का कहर जारी है। लगातार हो रही बारिश और हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने की वजह से यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से तीन फीट ऊपर बह रहा है।

यमुनापार के फाउंड्री नगर, गोकुल नगर में मंगलवार देर रात यमुना के तेज बहाव में एक परिवार का आशियाना उजड़ गया। मकान के पिछले हिस्से का एक कमरा, किचन, बालकनी और बाथरूम ढह गया। वहीं पर बेटी की शादी का सामान रखा था। तकरीबन ढाई लाख रुपये का सामान भी पानी में बह गया।

पीड़ित परिवार ने एक प्रॉपर्टी डीलर पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कर्ज लेकर खरीदा गया यह मकान कॉलोनी बताकर बेचा गया, जबकि

यह डूब क्षेत्र में है। सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी और एत्मादपुर विधायक धर्मपाल सिंह मौके पर पहुंचे।

फाउंड्री नगर, गोकुल नगर निवासी कंचन समगौर के पिता ताराचंद की छह साल पहले पैरालिसिस के कारण मौत हो गई थी। कंचन अपनी मां उर्मिला देवी और बहन गुंजन के साथ रहती हैं। वह बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर जीवन यापन करती हैं। घर में बड़ी बहन और उसके तीन बच्चों सहित कुल सात सदस्य रहते हैं।

परिवार का आरोप है कि 2019 में बल्केश्वर निवासी डीलर लोकेश दिवाकर से पांच लाख रुपये में मकान खरीदा था। रजिस्ट्री कराने के बाद पता चला कि यह मकान डूब क्षेत्र में आता है। उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। मंगलवार देर रात करीब दो बजे अचानक मकान के चटकने की आवाज आई। दीवारों में दरारें देखकर परिवार के सदस्य बाहर भागे। कुछ ही पलों में तेज गड़गड़ाहट के साथ मकान यमुना में समा गया। घर में रखा बेटी की शादी का सामान भी बह गया। दो साल पहले ही कर्ज लेकर यह मकान बनवाया गया था। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है।

कैसे होगी शादी?

मां उर्मिला देवी ने बताया कि उनकी बेटी कंचन समगौर की शादी दिवाली के बाद तय है। घर में शादी का सामान और जेवरात रखे हुए थे, जो बाढ़ में बह गए। अब समझ नहीं आ रहा कि शादी कैसे होगी। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। वे सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं।

कला और संस्कृति के ध्वजवाहक जादूगर मिस्टर इंडिया को माँ भारती सेवा सम्मान

गोण्डा। शिक्षा, साहित्य, कला एवं संस्कृति के संगम संगम अकादमी पब्लिकेशन द्वारा जनपद गोण्डा के विकास खण्ड परसपुर अंतर्गत ग्राम सीरपुरवा हरदिहा सपौर निवासी इंटरनेशनल जादूगर मिस्टर इंडिया को माँ भारती सेवा सम्मान 2025 से नवाजा गया।

यह सम्मान उन्हें राष्ट्र और समाजहित में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया। संस्था के निदेशक ओमप्रकाश लववंशी ने कहा कि जादूगर मिस्टर इंडिया के कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और ऐसे व्यक्तित्व को सम्मानित कर हमारी संस्था स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक उक्त सम्मान समारोह 24 अगस्त 2025 को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में संस्था के निदेशक ओमप्रकाश लववंशी ने प्रमाणपत्र प्रदान कर जादूगर मिस्टर इंडिया के योगदान की सराहना की।

सरयू पारीण ब्राह्मण समाज का भव्य सम्मान समारोह आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

भिलाई। सरयू पारीण ब्राह्मण समाज, भिलाई-दुर्ग द्वारा एक गरिमामयी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें 29 प्रतिभाशाली छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय तिवारी और डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल की प्राचार्या श्रीमती प्रियंका शुक्ला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। डॉ. तिवारी ने कहा कि बच्चों का सम्मान करना उनके मनोबल को बढ़ाने के लिए एक सराहनीय पहल है। श्रीमती शुक्ला ने कहा कि माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए और उनकी पढ़ाई पर सतत निगरानी रखनी चाहिए।

सम्मानित प्रतिभागियों में अंशिका मिश्र, सलोनी पांडे, प्रद्युम्न्य शुक्ला और आयुष मिश्रा सहित अन्य 25 छात्र शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन सचिव श्री सुनील मिश्र ने किया जिन्होंने अपनी सुंदर कविता और उपयोगी सुझाई से बच्चों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम प्रभारी विष्णु पाठक ने आभार प्रदर्शन करते हुए सभी सम्मानित छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समाज के अध्यक्ष श्री प्रभुनाथ मिश्र ने समाज की वर्तमान और आगामी गतिविधियों की जानकारी दी और बताया कि समाज प्रतिवर्ष बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित करता है ताकि वे देश और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनें।

पंचायत भवन में चकबंदी अधिकारी ने ग्रामीणो के साथ की बैठक

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। तहसील क्षेत्र बल्दीराय अन्तर्गत इसौली ग्राम पंचायत भवन में चकबंदी अधिकारी ने ग्रामीणो के साथ बैठक कर उन्हे चकबंदी की महत्वा के बारे विस्तुत जानकारी दी।

बैठक की अध्यक्षता चकबंदी अधिकारी संतोष अष्ठाना (सीओ) ने की। बैठक में चकबंदी अधिकारी ने ग्रामीणों को बताया कि चकबंदी से बिखरी हुई और छोटी-छोटी जमीनों का एकीकरण होगा, जिससे खेती करना आसान होगा और भूमि का सही उपयोग संभव होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया से न केवल खेतों तक पहुंच आसान होगी बल्कि सिंचाई व्यवस्था में भी सुधार होगा। ग्रामीणों की ओर से भूमि माप, सीमांकन और बंटवारे से जुड़ी समस्याओं पर खुलकर चर्चा की गई। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शाकिर अब्बास ने कहा कि चकबंदी से गांव में वर्षों से चल रहे भूमि विवादों का समाधान होगा। ग्रामीणों ने भी उम्मीद जताई कि इससे पारिवारिक विवाद कम होंगे और खेती में उत्पादन बढ़ेगा। बैठक में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग की अपील की गई। अंत में अधिकारी ने आश्वासन दिया कि चकबंदी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से पूरी की जाएगी। इस अवसर पर बैठक में सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित रहे।

हाईटेंशन लाइन बनी काल : शाहजहांपुर में करंट से तीन युवकों की गई जान, पांच मजदूर झुलसे, ट्रैक्टर के पहिये फटे

डभौरा के पास करंट से युवक की मौत के बारे में आरंभिक जानकारी मिली है कि लिंटर डालने वाली मिक्सर मशीन की ऊंचाई ज्यादा होने से वह हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गई। घटना की विभागीय जांच होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

- कैलाश चंद्र, उपखंड अभियंता, विद्युत निगम, तिलहर

आर्यावर्त संवाददाता

शाहजहांपुर. शाहजहांपुर के कलान क्षेत्र के तिलौआ गांव में सोमवार को सुबह हैंडपंप ठीक करने के दौरान उसकी सरिया ऊपर से निकली हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ जाने से दो युवकों की करंट लगने से मौत हो गई। वहीं, तिलहर क्षेत्र में डभौरा गांव के पास एक मकान का लिंटर डालने के लिए ले जाई जा रही मिक्सर मशीन में हाईटेंशन लाइन से करंट आ जाने से एक युवक की जान चली गई। पांच अन्य मजदूर झुलस गए। कलान थाना क्षेत्र के बाराखुर्द गांव के कमलदेव सिंह (38) रविवार की रात तिलौआ गांव में अपने खेत की रखवाली करने गए थे। वहीं रात में तिलौआ निवासी सत्यवीर (36) ने कमलदेव से नल खराब होने का जिक्र कर उसे ठीक करने के लिए कहा। सोमवार सुबह कमलदेव सत्यवीर के घर गए। सत्यवीर के दरवाजे के सामने रोड के किनारे लगे नल से दोनों युवक सरिया खींचने लगे। इसी दौरान सरिया ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गई। सरिया में आए करंट से दोनों युवकों के शरीर में आग लग गई और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। कमलदेव अविवाहित थे। सत्यवीर की मौत से पत्नी आरती, पुत्री प्रियंका और पुत्र अंशुल का रो-रोकर बुरा हाल है।

तिलहर: मशीन और ट्रैक्टर में उतरा करंट

तिलहर क्षेत्र के रतूली गांव के सुरजीत कुमार मिक्सर मशीन से मकानों के लिंटर डालने का काम करते हैं। वह सोमवार दोपहर ट्रैक्टर से मशीन लेकर गुलचंपा गांव में लिंटर डालने जा रहे थे। मशीन के साथ ट्रैक्टर में लगभग 11 मजदूर भी सवार थे। डभौरा गांव के पास मशीन रास्ते पर लटकते हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गई। इससे मशीन और ट्रैक्टर में करंट आ गया।

ट्रैक्टर के पहिए फटे

करंट से ट्रैक्टर के पहिए तेज धमाके के साथ फट गए और मशीन के पास बैठे रतूली गांव के 20 वर्षीय विमलेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। करंट लगने से ट्रैक्टर पर सवार जगदीश कुमार, सोनू मौर्य, अजय मौर्या, भगवान दास व राजीव मौर्य गिरकर घायल हो गए। लोग विद्युत निगम की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराने लगे। विमलेश की मौत से उनकी मां मोरकली, भाई बबलू व राजन और बहन सुलोचना, मंजू ,शकुंतला और राजेश्वरी का रो-रोकर बुरा हाल है।

'सिनेमा जगत के मेहनतकशों के हक़ में सर्वेश पाठक की बड़ी पहल'

आर्यावर्त संवाददाता

गोण्डा। गोण्डा जनपद के रहने वाले वाइस चेयरमैन–वन, पर्यावरण एवं जलवायु संवर्धन परिषद भारत एवं राष्ट्रीय महासचिव (भा.ज.पा. प्रणित) सर्वेश पाठक ने अपने मुंबई प्रवास के दौरान फिल्म इंडस्ट्री के श्रमिकों के न्यायिक मुद्दों पर आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर वे फिल्म जगत के श्रमिकों के अधिकारों और न्यायिक संघर्ष के साक्षी बने। यह जानकारी देते हुए श्री पाठक ने बताया कि उक्त बैठक की अध्यक्षता फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) के अध्यक्ष बी.एन. तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि फिल्म जगत में श्रमिक महीनों तक कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन कई बार फिल्मी कलाकारों और निर्माताओं द्वारा उन्हें समय पर मजदूरी नहीं दी जाती। श्रमिक संगठनों ने इस आवाज़ को बार-बार संबंधित अधिकारियों और मंत्रालयों तक पहुँचाया है, लेकिन अब भी इसका ठोस समाधान अपेक्षित है। उन्होंने अपेक्षा जताई कि सर्वेश पाठक इस विषय को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और केंद्रीय श्रम मंत्री तक पहुँचाकर न्याय दिलाने का कार्य करेंगे। बैठक में सुशील दुबे (अध्यक्ष, श्रमिक संगठन) ने श्रमिकों की समस्याओं को विस्तार से रखते हुए बताया कि मजदूरी के अलावा समय पर भोजन और चिकित्सा सुविधाएँ भी श्रमिकों को उपलब्ध नहीं हो रही हैं। इसी क्रम में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता डी.के. पाठक ने कहा कि सर्वेश पाठक केंद्रीय नेतृत्व से वार्ता कर जल्द समाधान सुनिश्चित करेंगे और इसका सकारात्मक असर जल्द देखने को मिलेगा। मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए सर्वेश पाठक ने कहा:"श्रमिक हमारी जान हैं। उनके साथ अन्याय किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मेरे पास जो भी मुद्दे संयुक्त संगठनों द्वारा लाए जाएंगे, मैं पूरे तन्मयता और प्रतिबद्धता के साथ श्रमिकों के उत्थान के लिए कार्य करूंगा।

17 सितंबर को वलीपुर में सुभासपा की जनसभा

आर्यावर्त संवाददाता

कुड़वार/सुल्तानपुर। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) संगठन को मजबूत करने में जुट गई है। इसी कड़ी में 17 सितंबर को वलीपुर बाजार स्थित गांधी मैदान में भव्य जनसभा आयोजित की जाएगी। सभा को पंचायती राज मंत्री एवं सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर संबोधित करेंगे। मंगलवार को कुड़वार ब्लाक सभागार में पत्रकारों से वार्ता करते हुए सुभासपा के जिलाध्यक्ष विनीत सिंह ने कहा कि सुभासपा लगातार अति पिछड़े,गरीब और वंचित वर्ग की आवाज बुलंद कर रही है।हर शोषित को न्याय दिलाना ही पार्टी का लक्ष्य है। सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान तक नहीं पहुँच पाता,इसे पूरा करना ही पार्टी का लक्ष्य है। बल्दीराय ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने कहा कि आजादी से अब तक भाजपा को इसौली विधानसभा सीट से केवल दो बार ही विजय मिली है। इस बार प्रयास है कि एनडीए गठबंधन के सहयोगी दल सुभासपा चुनाव लडे और इसौली विधानसभा सीट पर जीत का परचम लहराए। वलीपुर के गांधी मैदान में इसौली विधानसभा क्षेत्र से करीब 20 से 25 हजार कार्यकर्ता जनसभा में पहुँचेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार भाजपा एनडीए के सहयोगी दल निषाद पार्टी और सुभासपा पूरी ताकत से मिलकर चुनाव लड़ेंगी तथा प्रत्याशी का फैसला शीर्ष नेतृत्व करेगा। जनसभा की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों में उत्साह दिखाई दे रहा है। जिले भर से कार्यकर्ताओं को जोड़ने का काम तेजी से चल रहा है। पार्टी पदाधिकारियों का दावा है कि जनसभा ऐतिहासिक होगी और जिले की राजनीति में नया संदेश देगी।

जिला संगठन मंत्री मनोज शर्मा ने कहा कि जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन मजबूत हो रहा है। पार्टी जिले की किसी भी विधानसभा से चुनाव लडने को पूरी तैयार है। यदि इस बार सुभासपा को इसौली से मौका मिला तो भारी मतों से विजय हासिल करेगी। विशाल जनसभा के लिए मैदान को सुसज्जित किया जा रहा है। पंडाल,मंच और पार्किंग की विशेष व्यवस्था की जा रही है।भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस बल के साथ-साथ ट्रैफिक व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस दौरान जिलाध्यक्ष विनीत सिंह, कुड़वार ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि योगेन्द्र प्रताप सिंह बबलू, बल्दीराय ब्लाक प्रमुख शिव कुमार सिंह, प्रदीप कुमार , जिला प्रमुख महासचिव संतोष राणा समेत कई पदाधिकारी बैठक में मौजूद रहे।

विधायक पर संपति दुरूपयोग का लगाया आरोप, शासन में शिकायत

सुलतानपुर। के.एन.आई.पी.एस.एस के प्रबंधक विनोद सिंह पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की संपत्ति के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। धनपतगंज के पूर्व ब्लॉक प्रमुख यशभद्र सिंह ने पीएम समेत कई जगह मामले की शिकायत की है। कृषि विज्ञान केंद्र के निदेशक के लिए निर्मित आवास में प्रबंधक विनोद सिंह खुद रह रहे हैं। यह आवास पहले डॉ. एसपी. गुप्ता, निदेशक कृषि विज्ञान केंद्र के पास था। इसी परिसर में एक अन्य आवास में उन्होंने अपने संस्थान के फार्मेसी निदेशक को अनाधिकृत रूप से रखा है। केंद्र के गेस्ट हाउस में फार्मेसी की छात्राओं को ठहराकर अवैध कमाई की जा रही है। किसान हॉस्टल में भी कृषि विभाग की छात्राओं को रखकर अनुचित लाभ लिया जा रहा है। इंडोर बिल्डिंग, जो ऊसर भूमि सुधार के लिए बनी थी, उसमें वाणिज्य संकाय का अवैध संचालन हो रहा है। यह शिकायत पूर्व ब्लॉक प्रमुख यश भद्र सिंह 'मोनू' ने प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी है।

धर्मांतरण के आरोपी को पकड़ा, भीड़ ने कपड़े फाड़ कर बाजार में घुमाया ; फिर पुलिस के हवाले किया

आर्यावर्त संवाददाता

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के देऊरपुर बाजार में सोमवार को धर्मांतरण कराने के आरोप में सईद निवासी सीतापुर को लोगों ने पकड़ लिया और उसके कपड़े फाड़ कर बाजार में घुमाया। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करता दिखाई दे रहा है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

अतरौलिया थाना क्षेत्र के पुरखीपुर गांव निवासी शुभम पांडेय ने शिकायत दर्ज कराई थी। बताया था कि सीतापुर जिले का रहने वाला सईद फेरी का काम करता है। सईद ने उसे देऊरपुर बाजार में बुलाकर धर्म परिवर्तन के लिए तरह-तरह के

प्रलोभन दिए।

शुभम का कहना है कि मना करने पर आरोपी ने धमकी दी और गाली-गलौज भी किया। उसका यह भी आरोप है कि आरोपी अब तक कई लोगों का धर्मांतरण करा चुका है और इसके साथ कई अन्य लोग भी जुड़े हुए हैं, जो कपड़े बेचने के बहाने गांव-गांव घूमकर लोगों को बहलाते-फुसलाते हैं।

भीड़ ने आरोपी सईद के कपड़े फाड़ दिए और उसे बाजार में घुमाया। मामले की सूचना पुलिस को मिली तो पुलिस भी मौके पर पहुंची और आरोपी को लेकर थाने चली गई। उधर, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने कप्तानगंज थाना प्रभारी को आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच करने के निर्देश दिए। शिकायकर्ता शुभम पांडेय ने मामले की उच्च स्तरीय जांच करने की मांग की है। कहा कि हो सकता है कि आरोपी के तार छांगुर बाबा से जुड़े हों। इसलिए इसको गंभीरता से लेते हुए जांच कर सख्त कार्रवाई करें।

पेपर व्यापार में जीएसटी की विसंगति पर द लखनऊ पेपर मर्चेंट्स

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। द लखनऊ पेपर मर्चेंट्स एसोसिएशन ने हाल ही में जीएसटी परिषद द्वारा एचएसएन 4802 (पेपर) पर दोहरे कर दर लागू करने के निर्णय (22 सितंबर 2025 से प्रभावी) पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

मंगलवार को एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि मंडल, जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय काबरा, उपाध्यक्ष मनोज तिवारी एवं सक्रिय कार्यकर्ता विष्णु अग्रवाल और उमेश गोयल शामिल थे, ने उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना से मिलकर आग्रह किया कि इस निर्णय की शीघ्र समीक्षा की जाए तथा सीबीआईसी एवं जीएसटी परिषद से कागज तथा एक्सरसाइज बुक पर एक समान दर से कर लागू करने का अनुरोध किया जाए, ताकि व्यापार, उद्योग और सुशासन के हितों की रक्षा हो सके।

एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि निल-रेटेड पेपर हेतु कोई भी व्यावहारिक व्यवस्था असंभव है। सरकार ने प्रस्ताव किया है कि अभ्यास पुस्तिकाओं के निर्माण हेतु आपूर्ति किए गए पेपर पर शून्य जीएसटी लगेगा, जबकि अन्य किसी भी प्रयोजन हेतु आपूर्ति किए गए उसी पेपर पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाएगा। एसोसिएशन ने इंगित किया है कि ऐसी आपूर्ति को सही ढंग से अलग-अलग करना संभव नहीं है क्योंकि मिल और वितरक अंतिम उपयोग की पुष्टि नहीं कर सकेंगे। इससे अनिवार्य रूप से दुरुपयोग, मुकदमेबाजी और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा।

एसोसिएशन पदाधिकारियों ने कहा कि यह एक अनोखी एवं अव्यावहारिक पहल की शुरुआत है। यद्यपि जीएसटी कानून में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां एचएसएन कोड के अंतर्गत अलग-अलग उत्पादों पर अलग-अलग दरें लागू हैं—जैसे चीनी बनाम खांडसारी, लकड़ी के फर्नीचर बनाम प्लास्टिक/लौह फर्नीचर, जीवन रक्षक दवाइयां बनाम अन्य दवाइयां—परंतु ये सभी उत्पाद भिन्नता पर आधारित हैं। पहली बार ऐसा हो रहा है कि उसी उत्पाद पर, उसी एचएसएन के अंतर्गत केवल अंतिम उपयोग के आधार पर भिन्न कर दरें लागू की गई हैं, जो अभूतपूर्व और अव्यावहारिक है।

बिल ऑफ सप्लाई से बड़ा जोखिम निल-रेटेड आपूर्ति के लिए विक्रेताओं को टैक्स इनवॉइस के स्थान पर बिल ऑफ सप्लाई जारी करना होगा। चूँकि बिल ऑफ सप्लाई पर ई-इन्वॉइसिंग प्रणाली लागू नहीं होती, यह भ्रष्टाचार और राजस्व हानि की संभावना बढ़ाता है। साथ ही मिलों, वितरकों और छोटे निर्माताओं पर अतिरिक्त अनुपालन का बोझ भी डालता है।

एसोसिएशन का दृढ़ मत है कि आगे बढ़ने का एक मात्र व्यवहारिक मार्ग यही है कि कागज और अभ्यास पुस्तिकाओं दोनों पर समान रूप से पांच प्रतिशत जीएसटी लगाया जाए।

एक समान पांच प्रतिशत जीएसटी दर से अनुपालन सरल होगा, दुरुपयोग रुकेगा और सभी हितधारकों—पेपर मिलों, वितरकों तथा कॉटेज उद्योग में कार्यरत लाखों छोटे अभ्यास पुस्तिका निर्माताओं को लाभ होगा। साथ ही राज्य के राजस्व को भी कोई हानि नहीं होगी।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय काबरा ने कहा कि एसोसिएशन की यह मांग व्यापारियों और उद्योग के हित में पूरी तरह व्यावहारिक है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि मामले को केंद्र सरकार तथा जीएसटी परिषद के समक्ष उचित रूप से रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार व्यापारियों की समस्याओं और व्यावहारिक कठिनाइयों को समझते हुए सकारात्मक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ग्रीन सिटी कालोनी बन गई नरक सिटी चलना दूभर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अर्जुनगंज क्षेत्र की ग्रीन सिटी कालोनी इन दिनों नरक सिटी बन चुकी हैं। जहां सड़को के गड्ढे व जल भराव के कारण चलना दूभर हो गया है। स्थानीय लोगो की माने तो कालोनी के मुख्य मार्ग से लेकर अन्य गलियों की सड़कों में गड्ढे व जल भराव की समस्या है। लोगो की माने तो अभी बारिश के कारण थोड़ा सा ज्यादा समस्या बन गई है। वह बताते है कि उनकी यह समस्या रोज की हो चुकी है । कालोनी में सड़क तो बनी है लेकिन पानी निकासी के लिए नाला नाली नही बनी। जिसके कारण घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़को पर जमा होता है या फिर खाली पड़े प्लाट में । उसमें भी जब ओवर फ्लो होता है तो सड़क पर ही बहता है। इन दिनों तो सड़को में जल भराव के कारण गड्ढे हो चुके है और गड्ढे तालाब का रूप ले चुके है

लखनऊ में फर्जी दस्तावेज़ बनाकर ठगी करने वाले अभियुक्त मोहम्मद तालिब गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की जोन पूर्वी अंतर्गत थाना गोमतीनगर पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर आम जनता से धोखाधड़ी कर धन ऐंठने वाले वांछित अभियुक्त मोहम्मद तालिब को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी को वैशाली ग्रीन अपार्टमेंट, थाना महानगर क्षेत्र से पकड़कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी लंबे समय से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अनुचित लाभ प्राप्त कर लोगों को भ्रमित कर आर्थिक अपराध कर रहा था।थाना गोमतीनगर पर 03 सितंबर 2025 को वादी दीपक सिंह पुत्र स्वर्गीय लल्लू सिंह, जो प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े हैं, द्वारा तहरीर दी गई। तहरीर के आधार पर मुकदमा संख्या 415/2025 धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस के तहत मोहम्मद तालिब और अनवर असलम के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना उपनिरीक्षक हिमांशु द्विवेदी द्वारा की जा रही थी। पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश जारी थी और इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने आज आरोपी मोहम्मद तालिब को वैशाली ग्रीन अपार्टमेंट के बेसमेंट से गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त की उम्र लगभग 42 वर्ष बताई गई है और वह फ्लैट नंबर 103, वैशाली ग्रीन अपार्टमेंट, थाना महानगर, लखनऊ का निवासी है।पुलिस ने बताया कि अभियुक्त फर्जी दस्तावेज तैयार कर अनुचित लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से आम लोगों को झांसा देकर धन ऐंठता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी और उसके सहयोगी मिलकर लोगों से विश्वास जीतते, फर्जी दस्तावेज तैयार करते और उन्हें धोखे में रखकर आर्थिक अपराध करते थे। पुलिस इस मामले में अभियुक्त के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है ताकि गिरोह का पूरा नेटवर्क उजागर किया जा सके। उल्लेखनीय है कि अभियुक्त अनवर असलम को पहले ही 08 सितंबर 2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आर्थिक अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से की गई है। टीम ने कहा कि मामले की गहराई से जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि आम जनता को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लेन-देन से बचना चाहिए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को देनी चाहिए। गिरफ्तारी में शामिल पुलिस टीम में उपनिरीक्षक हिमांशु द्विवेदी, उपनिरीक्षक मारुफ आलम, उपनिरीक्षक जसीम, कांस्टेबल आकाश यादव और कांस्टेबल अंकुर चौधरी शामिल रहे।

स्वच्छता ही सेवा 2025 पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा, जनभागीदारी से बनेगा अभियान : ए .के . शर्मा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से लेकर महात्मा गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में "स्वच्छता ही सेवा 2025" पखवाड़ा मनाया जाएगा। इसे उत्सव के रूप में मनाने और जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने राजधानी लखनऊ स्थित संगम सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मंत्री ने सभी नगर निगमों और निकायों को निर्देश दिए कि स्वच्छता अभियान केवल सरकारी पहल न होकर समाज का आंदोलन बने और हर नागरिक इसमें सक्रिय भूमिका निभाए।बैठक में मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि स्वच्छता तभी सफल होगी जब इसे जन सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने वार्ड स्तर पर विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया और बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, स्कूल-कॉलेज, रामलीला स्थल, पार्क और अन्य सार्वजनिक जगहों पर सफाई अभियान को प्रभावी रूप से चलाने के लिए कहा। उन्होंने "एक पेड़ मां के नाम" जैसे वृक्षारोपण कार्यक्रम को बड़े पैमाने पर आयोजित कर इसे स्वच्छता अभियान से जोड़ने की योजना साझा की।मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने नगर निगम क्षेत्र के साथ-साथ समीपवर्ती नगर पंचायतों में अपनी मशीनरी भेजकर सफाई अभियान चलाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पखवाड़े के पहले दस दिन सघन सफाई पर और अंतिम पांच दिन सुशोभन व सुंदरता पर केंद्रित रहेंगे। इस दौरान वृक्षारोपण, मियावाकी योजना, नमो पार्क की स्थापना, दीवारों की पेंटिंग और चौराहों के सुंदरीकरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने बताया कि अभियान के पहले दिन मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, स्वयंसेवी संस्थाएं और स्कूल-कॉलेज के छात्र श्रमदान कर स्वच्छता अभियान की भव्य शुरुआत करेंगे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस अभियान का स्वरूप ऐसा हो कि हर नागरिक प्रेरित होकर इसमें भागीदारी करे।नगरीय निकाय के निदेशक अनुज झा ने बताया कि पखवाड़े के दौरान जागरूकता रैली, जनसंवाद, क्लीन ग्रीन उत्सव, चिन्हित कूड़ा स्थलों का विलोपन, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने सभी नगर आयुक्तों और अधिशासी अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक जनपद में आयोजित कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए और अभियान को व्यापक स्तर पर प्रचारित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसमें सहभागी बन सकें।बैठक में जल निगम के प्रबंध निदेशक रमाकांत पांडेय, अपर निदेशक नगरीय निकाय रितु सुहास सहित सभी जनपद स्तरीय अधिकारी वर्चुअल माध्यम से सम्मिलित हुए। मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि स्वच्छता पखवाड़ा जनहित का आंदोलन बने और यह अभियान समाज में जागरूकता, सहभागिता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश फैलाए। इस अवसर पर सभी अधिकारियों ने मिलकर पखवाड़े को सफल बनाने का संकल्प लिया।

छोटा हाथा लोडर ने बोलेरो में मारी टक्कर बच्चा नीचे गिर कर हुआ घायल

2 साल पहले बच्चे के पिता की भी हो चुकी सड़क हादसे में मौत

» बचाने के लिए उतरे बाबा को पोते को ट्रक ने रौंदा पोते की मौत, बाबा की हालत गंभीर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कस्बा गोसाईंगंज में मंगलवार की दोपहर एक दर्दनाक सकड हादसे में पोते की मौत हो गई तथा बाबा गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल बाबा को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। इस हादसे में पोते की मौके पर ही मौत हों गई।

कस्बा गोसाईंगंज में सुल्तानपुर रोड गुमटी नम्बर पांच पर मंगलवार की दोपहर बोलेरो कार में छोटा हाथ लोडर ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे बोलेरो कार का बाया गेट खुल गया और आगे की सीट पर बैठा बच्चा रुद्र उर्फ गोलू (2) निवासी कबीरपुर नीचे सड़क पर गिर कर घायल हो गया। जिसे बचाने के लिए उतरे बाबा पोते को पीछे से आ रही ट्रक ने रौंद दिया। जिसमें पोते गोलू की मौके पर ही मौत हो गई। तथा बाबा रामकिशोर निवासी कबीरपुर थाना गोसाईंगंज गंभीर रूप से घायल हो गए।

गोसाईंगंज पुलिस के मुताबिक बोलेरो कार मृतक के बाबा रामकिशोर ही चला रहे थे। वह गोसाईंगंज डॉक्टर से दवा लेने आये थे। वापस जाते समय पांच नंबर गुमटी के कट पर पहले कार से छोटा हाथी लोडर टकराया। जिससे बच्चा नीचे गिर गया। जिसे बचाने के लिए बोलेरो कार से उतरे बाबा रामकिशोर को उसी वक्त पीछे से हैदरगढ़ से लखनऊ की ओर जा रही एक तेज रफ्तार ट्रक ने रौंद दिया। जिसमें पोते गोलू की मौके पर मौत हो गई। बाबा गंभीर रूप से घायल हो गया। जिनका इलाज सिविल अस्पताल में चल रहा है। जिनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

गोलू के पिता की डेढ़ साल पहले हादसे में हो चुकी है मौत

मंगलवार को गोसाईंगंज में सड़क हादसे में मृतक गोलू के पिता सतीश की डेढ़ साल पहले एक सड़क हादसे में मौत हो चुकी है। ग्रामीणों के अनुसार सतीश अपने परिचित के तिलक समारोह में शामिल होने जा रहा था तभी रास्ते मे किसी वाहन की टक्कर से मौत हो गई थी।

ट्रक चालक व छोटा हाथी लोडर चालक को हिरासत में लिया

गोसाईंगंज पुलिस ने घटना के दौरान छोटा हाथी लोडर व ट्रक के साथ दोनो चालको को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक लापरवाही से वाहन चलाने वाले दोनो चालको को खिलाफ कार्यवाई की जायेगी।

लखनऊ में नाबालिग को बहलाफुसलाकर भगाने के मामले में आरोपी शिवम उर्फ शुभम गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की जोन पूर्वी के थाना गोमतीनगर पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने के मामले में आरोपी शिवम उर्फ शुभम को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी को मुखबिर की सूचना पर हुसड़िया चौराहा, शहीद पथ पुल के नीचे से पकड़ लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धारा 65(1), 87, 137(2) बीएनएस तथा धारा 5(ञ)2/6 पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इसके साथ ही आरोपी का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है।थाना गोमतीनगर पर 11 जुलाई 2025 को वादी द्वारा शिकायत दी गई थी कि उसकी बहन को अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर ले गया। इस शिकायत के आधार पर मुकदमा संख्या 289/2025 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच उपनिरीक्षक सचिन केसरवानी द्वारा की जा रही थी। पुलिस ने कई साक्ष्य एकत्र किए और 04 सितंबर 2025 को पीड़िता को गोमतीनगर रेलवे स्टेशन के पास से बरामद कर लिया। नाबालिग के बयान, स्थल निरीक्षण तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामला गंभीर पाया गया। साथ ही पीड़िता का प्रेगनेंसी टेस्ट पॉज़िटिव आने के बाद मामले में धारा 65(1), 87, 137(2) बीएनएस तथा धारा 5(ञ)2/6 पाक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी कर अभियुक्त के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई। 08 सितंबर 2025 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी शिवम उर्फ शुभम को हुसड़िया चौराहा के पास शहीद पथ पुल के नीचे से गिरफ्तार कर लिया।

संक्षेप

लखनऊ में वृद्ध की गोली मारकर हत्या, नौकरानी के पति ने अंजाम दिया कांड, पुलिस ने टीम गठित कर गिरफ्तारी का अभियान शुरू किया

लखनऊ। शहर के मड़ियांव क्षेत्र स्थित दिलकश विहार कॉलोनी में एक वृद्ध की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार अरुण कुमार मिश्रा (68 वर्ष), जो इसी कॉलोनी में परिवार के साथ रहते थे, आज दोपहर करीब 12 बजे घर में ही घायल पाए गए। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। प्राथमिक पूछताछ में सामने आया कि घर में काम करने वाली नौकरानी रामादेवी के पति मनोज पांडे ने बंदूक से गोली चलाकर अरुण कुमार मिश्रा की हत्या कर दी।मनोज पांडे (40 वर्ष), निवासी भैंस मऊ क्रॉसिंग, थाना बीकेटी, घटना के समय घर में मौजूद था। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार किसी विवाद को लेकर यह घटना हुई प्रतीत हो रही है, हालांकि वास्तविक कारण की पुष्टि आगे की जांच में होगी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फील्ड यूनिट तथा वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं और घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

नहर में मिला युवक का शव, परिजनों ने की शिनाख्त, पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज कर दो संदिग्धों को हिरासत में लिया

लखनऊ। थाना निगोहां क्षेत्र में मदाखेड़ा से सिसेंडी मार्ग पर गौतम खेड़ा के पास नहर में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आज प्रातः लगभग 8 बजे स्थानीय पुलिस को सूचना मिली कि नहर में एक शव पड़ा है। सूचना मिलते ही थाना निगोहां पुलिस टीम मौके पर पहुँची और शव को नहर से बाहर निकालकर पहचान कराने का प्रयास शुरू किया।पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर मृतक की तस्वीर प्रसारित कर शिनाख्त कराई। इसी दौरान श्री रामनरेश निवासी शंकरबक्श खेड़ा मजरा रायभानखेड़ा, थाना मोहनलालगंज ने शव की पहचान अपने पुत्र शनि रावत (उम्र लगभग 24 वर्ष) के रूप में की। परिवारजनों ने शव की पहचान कर दुख व्यक्त किया।पुलिस ने परिजनों की उपस्थिति में पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने नामजद अभियुक्तों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही दो संदिग्ध व्यक्तियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई जारी है।पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में इस घटना को लेकर चिंता व्याप्त है, वहीं पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जांच में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

काकोरी पुलिस को मिली बड़ी सफलता, अवैध असलहों की खरीद-फरोख्त करने वाले शातिर अपराधी को तमंचे के साथ किया गिरफ्तार

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की काकोरी पुलिस टीम ने अवैध असलहों की खरीद-फरोख्त करने वाले एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता प्राप्त की है। आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजते हुए अपराध के अन्य पहलुओं की जांच शुरू कर दी है।थाना काकोरी क्षेत्र में अवैध शस्त्रों के व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा था। 07 सितंबर 2025 को काकोरी पुलिस ने पहले ही एक आरोपी दिलीप उर्फ सन्तूलाल पुत्र गंगादीन निवासी ग्राम नईबस्ती थाना काकोरी को अवैध शस्त्रों और उपकरणों के साथ गिरफ्तार कर मुकदमा संख्या 338/2025 धारा 3/5/25 आयुध अधिनियम के तहत कार्रवाई की थी। पूछताछ में यह जानकारी सामने आई कि दिलीप से तमंचा खरीदने और बेचने का काम विनीत कुमार पुत्र रामसेवक निवासी ग्राम मेहदीनगर थाना काकोरी द्वारा किया जाता था। इसके आधार पर पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मैनुअल जांच के जरिए विनीत कुमार की तलाश शुरू कर दी थी।09 सितंबर 2025 को पुलिस को मुखबिर खास से सूचना मिली कि आरोपी विनीत कुमार बहरू नहर के किनारे मौजूद है।

बीबीएयू में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, युवाओं को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में प्रेरित किया गया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विभाग और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, विकास एवं सुविधा कार्यालय, कानपुर, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आज विश्वविद्यालय परिसर में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन ऑफ अकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू ने की। मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के डिप्टी कमिश्नर ऑफ इंडस्ट्रीज मनोज कुमार चौरसिया उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त मंच पर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स के संकायाध्यक्ष प्रो. अमित कुमार सिंह, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. तरूणा, एमएसएमई, कानपुर से असिस्टेंट डायरेक्टर अविनाश कुमार अपूर्व, तथा बैंक ऑफ इंडिया के लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर मनीष पाठक भी मौजूद रहे।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। विश्वविद्यालय कुलगीत के पश्चात आयोजन समिति द्वारा अतिथियों और शिक्षकों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. तरूणा ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य और रूपरेखा पर प्रकाश डाला।अपने संबोधन में प्रो. एस. विक्टर बाबू ने कहा कि किसी भी कार्य की शुरुआत विचार से होती है, जो आगे चलकर परिवर्तन और प्रगति का आधार बनता है। उन्होंने कहा कि व्यवसाय केवल लाभ कमाने का साधन नहीं, बल्कि साहस, धैर्य और जोखिम उठाने की क्षमता का प्रतीक है। उन्होंने भारतीय इतिहास का उदाहरण देते हुए कहा कि व्यापार भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है और यही कारण है कि भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि व्यवसाय न केवल व्यक्तिगत सफलता का मार्ग है, बल्कि समाज और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने का अवसर भी प्रदान करता है।मुख्य अतिथि मनोज कुमार चौरसिया ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हर नागरिक का दायित्व है कि वह अपनी क्षमता के अनुसार राष्ट्र निर्माण में योगदान दे। उन्होंने MSME क्षेत्र की महत्ता बताते हुए कहा कि ये उद्यम न केवल रोजगार प्रदान कर रहे हैं, बल्कि ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बना रहे हैं। युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने, आत्मनिर्भर बनने और दूसरों को रोजगार देने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि उद्यमिता राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को गति देती है।बैंक ऑफ इंडिया के लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर मनीष पाठक ने उद्यमिता क्षेत्र में बैंकों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार युवाओं, महिलाओं, अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्ग के लिए विशेष सुविधाएँ उपलब्ध करा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की विस्तार से जानकारी दी और युवाओं से आह्वान किया कि वे योजनाओं का लाभ उठाकर अपना भविष्य संवारें और राष्ट्र की प्रगति में योगदान करें।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर भी दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना का विकास करना, उन्हें रोजगार प्रदाता के रूप में तैयार करना तथा सरकारी योजनाओं, MSME क्षेत्र और बैंकों की सुविधाओं से अवगत कराकर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में प्रेरित करना रहा।समापन पर प्रो. अमित कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, गैर शिक्षण कर्मचारी, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह आयोजन युवाओं को आत्मनिर्भर बनने और देश के आर्थिक विकास में योगदान देने की प्रेरणा प्रदान करने में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

जीएसटी सुधार या भूल सुधार

30 जून और 1 जुलाई 2017 की आधी रात को संसद भवन को बिजली की लड़ियों और फूलों से सजाया गया था। जगमगाती संसद में नरेन्द्र मोदी ने आर्थिक आजादी की घोषणा की और वो भी आधी रात को। मीडिया ने इसे हिंदुस्तान का ऐतिहासिक पल बताया था। मकसद साफ था कि नेहरूजी ने आधी रात को ही दुनिया के सामने देश की आजादी का ऐलान किया था, तो किसी भी तरह उनके समकक्ष आने के लिए नरेन्द्र मोदी ने संसद भवन का ही इस्तेमाल किया और वह भी आधी रात को। दरअसल 1 जुलाई 2017 से गुड्स एंड सर्विसेस टैक्स (जीएसटी) लागू हुई और इसमें वैट, सेवा टैक्स और एक्साइज ड्यूटी जैसे कई अप्रत्यक्ष टैक्स को एक साथ किया गया। लेकिन जिस तरह नोटबंदी की असफलता देश के सामने आने में देर नहीं हुई। वैसे ही जीएसटी की कमियां भी व्यापारियों को परेशान करने लगीं और आम आदमी के लिए भी कई तरह से यह व्यवस्था मारक साबित हुई।

अब इस साल प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त को लालकिले से जीएसटी में महत्वपूर्ण बदलाव के वादे किए थे। उनके हिसाब से यह जनता के लिए दीवाली का तोहफा होगा। लेकिन शायद बिहार चुनाव के कारण दीवाली से पहले ही जीएसटी में दरों में बदलाव किया गया है, जो इसी महीने 22 सितंबर से लागू हो जाएगा। जीएसटी परिषद ने 3 सितंबर को इसकी मंजूरी दे दी है। अब 12फीसदी और 28 फीसदी की कर स्लैब को ख़त्म कर दिया गया है। केवल दो स्लैब 5 फीसदी और 18 फीसदी रहेंगे साथ ही सिगरेट, शराब, निजी नौका, हेलीकॉप्टर जैसे खास सामानों पर 40फीसदी की विशेष कर दर लागू की जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि ये सुधार आम आदमी को ध्यान में रखकर किए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा, 'यह सुधार आम आदमी, किसानों, मध्यम वर्ग, और एमएसएमई के लिए लाभकारी होंगे।Ó

मीडिया एक बार फिर चरणवंदन में लग चुका है। इसे मोदी का मास्टरस्ट्रोक जैसे शीर्षकों से पेश किया जा रहा है, जबकि असल में यह कांग्रेस की सलाह पर अमल है और अपनी गलती का सुधार है। 2017 से आम आदमी को रोजमर्रा की जरूरतों से लेकर जीवनरक्षक दवाओं तक सब पर जीएसटी का भार सहना पड़ता था। अब सरकार इसे आम आदमी के लिए राहत बता रही है। राहुल गांधी 2017 से लेकर अब तक कई बार यह मांग कर चुके थे कि गरीबों, मध्यम वर्ग और एमएसएमई आदि को ध्यान में रखकर कर की दरें लागू हों, लेकिन उनकी बात को नहीं सुना गया। दरअसल जीएसटी के कारण खाद, किताब, ट्रैक्टर, दवाई, पढ़ाई दूध-दही, आटा-अनाज, यहां तक कि बच्चों की पेन्सिल-किताबें, ऑक्सीजन, इंश्योरेंस और अस्पताल के खर्च जैसी रोज़मर्रा की चीज़ें भी महंगी हो गई थीं। देश के इतिहास में पहली बार किसानों पर टैक्स लगा, सरकार ने कृषि क्षेत्र की कम से कम 36 वस्तुओं पर जीएसटी थोपा था।

अब राहत देकर इसे जनता के लिए एक बड़े तोहफे के तौर पर पेश किया जा रहा है। नए जीएसटी स्लैब के बाद अब कैंसर की जीवन रक्षक दवाओं पर अब शून्य दर से कर लगेगा। दूध, पनीर, स्नैक्स और ब्रेड सहित आम उपभोग की 175 वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। पनीर, छेना और पराठे सहित सभी प्रकार की भारतीय रोटियों पर कर 5 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगा। बालों का तेल, साबुन, शैंपू, टूथब्रश, रसोई के सामान अब 5 प्रतिशत कर के दायरे में आएंगे। 33 जीवन रक्षक दवाइयां 12 प्रतिशत से शून्य कर के दायरे में आ जाएंगी। मानव निर्मित रेशे पर कर 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत और मानव निर्मित धागे पर कर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा फिलहाल बीमा प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी वसूला जाता है। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि बीमा कंपनियों से आप उपभोक्ता को कितनी राहत मिलेगी, क्योंकि अपने नुकसान की भरपाई भी आखिर में कंपनियां ग्राहकों से ही वसूलेंगी। यही बात बाकी उत्पादों पर भी लागू होती है। एक बार कोई सामान महंगा बिकने लगे तो शायद ही कभी दाम कम होते हैं। इसलिए दीवाली से पहले जिन लोगों को यह लग रहा है कि सरकार से उनको वाकई तोहफा मिल गया तो वे अपनी खुशियां थाम कर रखें। नई दरें लागू होने के बाद देखें कि सामान सस्ता होता है या किसी और तरीके से कीमत बढ़ाई जाती है।

वैसे भी इस सरकार का ट्रैक रिकार्ड उद्योगपतियों के साथ खड़े होने का है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया है कि कुल जीएसटी का दो-तिहाई यानी 64फीसदी हिस्सा गरीबों और मध्यम वर्ग की जेब से आता है, और अरबपतियों से केवल 3फीसदी जीएसटी वसूला जाता है, जबकि कॉरपोरेट टैक्स की दर 30फीसदी से घटाकर 22फीसदी कर दी गई है। दरअसल एक देश एक टैक्स की बात करते हुए मोदी सरकार ने 0फीसदी, 5फीसदी, 12फीसदी, 18फीसदी, 28 फीसदी की दरों के साथ 0.25फीसदी, 1.5फीसदी, 3फीसदी और 6फीसदी की विशेष दरों वाली एक देश 9 टैक्स प्रणाली को लागू किया था। इस वजह से व्यापारियों को तकलीफ हो रही थी, उसके कुछ उदाहरण भी सामने आए थे।

भ्रष्टाचार रोकने वाला कानून हो पाएगा पास?

विपक्षी निशाने पर आया यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 75 में संशोधन करेगा, जो मुख्य रूप से प्रधानमंत्री सहित मंत्रिपरिषद की नियुक्ति और जिम्मेदारियों से संबंधित है। इस विधेयक में मंत्री के जेल से वापस आने के बाद को लेकर स्पष्टता तो नहीं है।

उमेश चतुर्वेदी

संविधान का 130वां संशोधन विधेयक 2025 संसद के मानसून सत्र के दौरान 20 अगस्त दिन बुधवार को लोकसभा में जब पेश किया गया, तब सदन में अभूतपूर्व हंगामा दिखा। कह सकते हैं कि अराजक दृश्यों के बीच संक्षिप्त चर्चा के बाद इसे संसद की संयुक्त समिति को भेज दिया गया। अब इस विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति सुझाव मांगेगी और अपने संशोधनों के साथ सदन में भेजेगी। तब कहीं जाकर चर्चा होगी और विधेयक पास हो पाएगा। लेकिन जिस तरह विपक्ष इस विधेयक की राह में अड़ंगे डाल रहा है, उससे लगता नहीं कि संयुक्त समिति में भी इसे आसानी से वह आम राय बनाने देगा और भ्रष्टाचार के खात्मे की दिशा में मील का पत्थर माना जाने वाला यह विधेयक पास हो पाएगा।

अव्वल तो होना यह चाहिए कि भ्रष्टाचार को रोकने, सर्वोच्च स्तर तक के लोगों को जवाबदेह बनाने वाले विधेयक पर पक्ष ही नहीं, विपक्ष को भी साथ होना चाहिए। लेकिन विपक्ष इस पर हंगामा मचाए हुए है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि इस विधेयक के प्रावधान क्या हैं। जिन पाठकों को संसद की संयुक्त समिति की जानकारी नहीं है, उनके लिए यह भी बताना जरूरी हो जाता है कि यह समिति आखिर है क्या और इसका क्या अधिकार है?

इस संविधान संशोधन विधेयक में कहा गया है कि जो भी मंत्री, किसी गंभीर अपराध के लिए 30 दिनों तक जेल में रहेगा, वह अपना पद खो देगा। इस कानून के तहत 0कोई मंत्री, पद पर रहते हुए लगातार तीस दिनों की अवधि के दौरान, किसी ऐसे कानून के तहत किसी अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है या हिरासत में रखा जाता है, जिसके तहत पांच वर्ष या उससे अधिक जेल हो सकती है, उसे हिरासत में लिए जाने के इकतीसवें दिन तक मुख्यमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा उसे उसके पद से हटा दिया जाएगा। इस विधेयक में कहा गया है कि, ₹यदि ऐसे मंत्री को हटाने के लिए मुख्यमंत्री की सलाह इकतीसवें दिन तक राष्ट्रपति को नहीं दी जाती है, तो वह उसके बाद खुद-ब-खुद मंत्री नहीं रह पाएगा।'

विपक्षी निशाने पर आया यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 75 में संशोधन करेगा, जो मुख्य रूप से प्रधानमंत्री सहित मंत्रिपरिषद की नियुक्ति और जिम्मेदारियों से संबंधित है। इस विधेयक में मंत्री के जेल से वापस आने के बाद को लेकर स्पष्टता तो नहीं है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि जब मंत्री जेल से रिहा हो जाएंगा तो क्या होगा? वैसे माना जा रहा है कि विधेयक के प्रावधानों के तहत, सैद्धांतिक रूप से यह संभव हो सकेगा कि संबंधित मंत्री जेल से बाहर आने के बाद पुनः नियुक्त किया जा सकृता है।

इस विधेयक की उपधारा एक का प्रावधान कहता है कि कोई बात ऐसे मुख्यमंत्री या मंत्री को हिरासत से रिहा होने पर राष्ट्रपति द्वारा बाद में मुख्यमंत्री या मंत्री नियुक्त किए जाने से नहीं रोकेगी।" विपक्ष को लगता है कि केंद्र सरकार जानबूझकर विपक्षी मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को निशाना बनाने के लिए यह विधेयक लेकर आई है। वैसे माना जा रहा है कि शराब नीति घोटाले में जब अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया, तब भी उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। इसकेपहले तक होता रहा है कि जब किसी मंत्री या मुख्यमंत्री पर आरोप लगते हैं तो गिरफ्तारी के पहले ही वे इस्तीफा देते रही हैं। 1997 में चारा घोटाले में जब लगा कि लालू यादव की गिरफ्तारी हो जाएगी तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इसी तरह 2024 में जब झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेने को लगा कि वे गिरफ्तारी से नहीं बच पाएंगे तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया और इस्तीफा देते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया गया था। लेकिन केजरीवाल ने तब इस्तीफा दिया,जब उन्हें जेल में रहते किसी फाइल पर हस्ताक्षर करने या जमानत मिलने के बाद भी मुख्यमंत्री के दफ्तर ना जाने की शर्त सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। विपक्ष का तर्क है कि केंद्र सरकार अक्सर बदले की भावना के साथ काम करती है और उसके निर्देशन में काम करने वाला प्रवर्तन निदेशालय. आयकर विभाग और सीबीआई जब चाहे किसी भी मंत्री, मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर सकते हैं। गिरफ्तारी के बाद ये एजेंसियां ऐसे आरोप लगा सकती हैं. जिनके तहत उन्हें महीनों तक जमानत नहीं मिल सकती। तब इस विधेयक के जरिए किसी भी विपक्षी सरकार को गिराया जा सकता है। यही वजह है कि जब गृह मंत्री अमित शाह ने विधेयक पेश किया तो संसद में विपक्ष ने ज़ोरदार विरोध किया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने 2010 में सोहराबुद्दीन शेख मुठभेड़ मामले में गृह मंत्री की गिरफ़्तारी का मुद्दा उठाया। हालाँकि, शाह ने जवाब दिया कि गिरफ़्तारी से पहले ही उन्होंने गुजरात के गृह मंत्री पद से इस्तीफ़ा दे दिया था। अब जानते हैं कि संसद की संयुक्त समिति क्या है?

संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी संसद द्वारा किसी विशेष उद्देश्य के लिए, जैसे किसी विषय या विधेयक की विस्तृत जाँच के लिए गठित की जाती है। इसमें दोनों सदनों के सदस्य होते हैं और इसका कार्यकाल समाप्त होने या इसका कार्य पूरा होने के बाद इसे भंग कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए, संविधान के 130वां संशोधन विधेयक, 2025 को विपक्षी हंगामे और मांग के बाद लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति द्वारा चुने गए 31 सदस्यों वाली एक संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया है। वैसे तो समिति से रिपोर्ट हासिल करने की कोई मियाद तय नहीं है,लेकिन गृहमंत्री अमित शाह ने मांग की है कि समिति संसद के अगले यानी शीत सत्र के पहले दिन से पहले ही अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दे।

संसदीय नियमों के अनुसार, जेपीसी का कार्यक्षेत्र उसके गठन के प्रस्ताव पर निर्भर करता है। हालाँकि इसकी सिफ़ारिशें प्रभावशाली होती हैं, लेकिन वे सरकार पर बाध्यकारी नहीं होतीं। इस बीच बीजेपी ने 25 अगस्त, 2025 को विपक्षी हंगामे के खिलाफ कड़ा बयान दिया। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाया गया 130 वां संविधान संशोधन विधेयक "राजनीति में नैतिकता और सुशासन को मजबूत करेगा" और "भ्रष्टाचार और अपराधीकरण को खत्म करने के लिए एक प्रभावी हथियार" के रूप में काम करेगा। बीजेपी ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाते हुए कहा कि जहां एक ओर समूचा राष्ट्र इस पहल का स्वागत कर रहा है, वहीं कांग्रेस और आम आदमी पार्टी जैसे दल "केवल भ्रष्टाचार को बचाने के लिए" इसका विरोध कर रहे हैं। बीजेपी विपक्ष को ₹बहिष्कार ब्रिगेड₹ बताते हुए यह भी कहने से नहीं हिचकी कि विपक्ष यानी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की लोकतंत्र में नहीं, अपने परिवार और सत्ता की रक्षा में ही दिलचस्पी है। बीजेपी का मानना है कि कि यह विधेयक सुशासन की सबसे बड़ी बाधाओं - भ्रष्टाचार और अपराध - को दूर करने के लिए संसद में पेश किया गया है। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत कानून के सामने सबको बराबर का दर्जा हासिल है। फिर भी हकीकत यह है कि अगर कोई सरकारी कर्मचारी दो दिन भी जेल में रहा, तो उसे सेवा नियमों के तहत स्वतः ही निलंबित कर दिया जाता है। जबकि महत्वपूर्ण राजनीतिक पदों पर बैठे लोगों पर यह प्रावधान नहीं लागू होते। बीजेपी का तर्क है कि प्रस्तावित कानून के दायरे में मंत्री,मुख्यमंत्री ही नहीं, प्रधानमंत्री भी आएंगे।

अजब-गजब

30 मिनट में हर प्रोब्लम को सॉल्व कर देते हैं जापानी 'गुंडे', किराए के लिए कंपनी लेती है इतने पैसे

जापान में हाल ही में एक दिलचस्प सेवा सुर्खियों में आई है। Rental Kowaihito नाम की यह कंपनी ऐसे लोगों को किराए पर देती है जो दिखने में सख्त और डरावने लगते हैं। इनका काम ग्राहकों की समस्याओं को हल करने में मदद करना है, खासकर जब सामने वाला इंसान आसानी से मानने को तैयार न हो। इस कंपनी में ग्राहक ऐसे लोगों को किराए पर बुला सकते हैं जो दिखने में एकदम हट्टे-कट्टे और डरावने लगते हैं। इनका काम है अपने ग्राहक की समस्याओं को सुलझाने में मदद करना, खासकर तब जब सामने वाला इंसान आसानी से बात नहीं मान रहा हो।

कंपनी के मुताबिक, ये लोग डरावने इसलिए होते हैं क्योंकि आमतौर पर ये सिर मुंडवाए होते हैं और उनके शरीर पर गहरे टैटू बने होते हैं। उनका सिर्फ सामने खड़ा होना ही इतना असरदार होता है कि ज़्यादातर मामलों में विवाद आधे घंटे से भी कम समय में सुलझ जाता है। इस सर्विस की लोकप्रियता तब और बढ़ गई जब ट्विटर (अब X) पर @yukitichqn नाम के एक यूज़र ने कंपनी की वेबसाइट के स्क्रीनशॉट शेयर किए। कुछ ही दिनों में इन तस्वीरों को 3 लाख से ज़्यादा लाइक्स और 36 हजार से अधिक बार शेयर किया गया।

लोगों के बीच ये कंपनी इसलिए ग्रो कर रही है क्योंकि कई बार लोग खुद इन मुद्दों को हल नहीं कर पाते। ऐसे में डरावने दिखने वाले व्यक्ति को साथ ले जाने से सामने वाला झुक जाता है और मामला जल्दी सुलझ जाता है। इस काम को देख कई लोगों को कहना था कि ये सब पक्का याकुज़ा (जापानी गैंगस्टर) के लोग होंगे। हालांकि इस पर कंपनी ने साफ़ कहा है कि वे किसी अपराधी गिरोह से जुड़े लोगों को काम पर नहीं रखते और न ही कोई गैरकानूनी काम करते हैं। इस काम के जरिए हमारा मकसद सिर्फ अपने ग्राहक का आत्मविश्वास बढ़ाना और स्थिति को संभालना है कंपनी ने इस सर्विस के लिए पैसे भी फिक्स कर दी है। अगर आप इस सर्विस को आधे घंटे के लिए लेते हैं तो आपको 20,000 येन (करीब 140 अमेरिकी डॉलर) देने होते हैं। अगर किसी को तीन घंटे के लिए चाहिए तो इसकी कीमत 340 डॉलर तक पहुंच जाती है। इसके अलावा, अगर ग्राहक शहर से बाहर किसी काम के लिए बुलाता है तो ट्रैवलिंग का खर्च भी उन्हें ही उठाना पड़ता है।

ब्लॉग

सोशल मीडिया को शांत करने से नेपाल हुआ अशांत, Gen Z पर चलवा कर गोली बड़ी गलती कर बैठे ओली

नीरज कुमार दुबे

नेपाल में सरकार द्वारा प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स पर लगाए गए प्रतिबंध ने देश के राजनीतिक, सामाजिक और कूटनीतिक परिदृश्य को गहराई से प्रभावित किया है। यह केवल डिजिटल नीति का सवाल नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और युवा चेतना के लिए एक गंभीर चुनौती है। फेसबुक, यूट्यूब, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट जैसे प्लेटफ़ॉर्म्स, जिन्हें युवा पीढ़ी अपने विचार व्यक्त करने, दोस्तों से जुड़ने और वैश्विक घटनाओं से अपडेट रहने के लिए इस्तेमाल करती है, उन पर बैन लगाने से युवाओं में गहरी नाराजगी और असंतोष पैदा हुआ है।

युवा पीढ़ी पहले ही देश की कमजोर स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणाली, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से तंग आ चुकी है। ऐसे समय में सोशल मीडिया पर पाबंदी ने उनकी निराशा को और बढ़ा दिया है। हाल ही में 'नेपो किड्स' यानि राजनीतिक परिवारों के बच्चों के विरुद्ध उभरे गुस्से और काठमांडू में जेनरेशन ज़ेड के युवाओं का प्रदर्शन यह दर्शाता है कि वह अब अन्याय को चुपचाप सहन नहीं करेंगे। यह चेतावनी है कि यदि सरकार युवा वर्ग की भावनाओं को समझने में विफल रही, तो राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ सकती है।

देखा जाये तो इस घटनाक्रम का भारत और दक्षिण एशिया के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश है। नेपाल भारत का निकटतम पड़ोसी और रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण देश है। वहां की अस्थिरता न केवल सीमा सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती है, बल्कि चीन जैसे बाहरी प्रभावों को बढ़ावा देने का अवसर भी दे सकती है। हाल ही में ओली सरकार का चीन के प्रति झुकाव, पश्चिम और जापान से दूरी और सीमा विवादों में आक्रामक रुख ने यह संकेत दिया है कि नेपाल अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता के बावजूद विदेशी प्रभावों के जाल में फंसता जा रहा है।

यह ठीक है कि सोशल मीडिया को कानूनी और सामाजिक वास्तविकताओं के अनुरूप नियंत्रित करना आवश्यक था, लेकिन इसे कैबिनेट निर्णय के माध्यम से लागू करना और विवादास्पद प्रावधान लागू करना— जैसे 'समस्याग्रस्त सामग्री' को 24 घंटे में हटाना, जैसी नीति को थोपना गलत था। पहले ही दक्षिण एशिया में लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। श्रीलंका, पाकिस्तान और अब नेपाल के हालात यह संदेश देते हैं कि लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं रह सकता; इसे जीवित बनाए रखने के लिए नागरिकों की स्वतंत्रता, उनके अधिकार, शासन में पारदर्शिता और संवेदनशील कूटनीति की रक्षा आवश्यक है।

नेपाल की सरकार को अब यह समझना होगा कि विदेशी ऐप्स को कानूनी दायरे में लाना उचित है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण है कि वह अपने युवाओं और नागरिकों की भावनाओं का सम्मान करें। युवा पीढ़ी देश के भविष्य के निर्माता हैं; उनकी आवाज़ को दबाना, उन्हें अपमानित करना और डिजिटल माध्यमों पर नियंत्रण लगाना केवल अस्थायी समाधान होगा, जबकि अस्थिरता और सामाजिक तनाव स्थायी रूप से बढ़ सकते हैं।

इसमें भी कोई दो राय नहीं कि नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता, सोशल मीडिया पर पाबंदी और युवा विरोध प्रदर्शन न केवल वहां की आंतरिक राजनीति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि यह भारत के लिए भी चिंता का विषय बन गए हैं। नेपाल भारत का सबसे नजदीकी पड़ोसी और रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। दोनों देशों के बीच खुले सीमावर्ती संबंध, सामाजिक-सांस्कृतिक मेलजोल और आर्थिक संबंध गहरे हैं। ऐसे में नेपाल में बढ़ती अस्थिरता का सीधे प्रभाव भारत की सीमा सुरक्षा, सीमावर्ती इलाकों की स्थिरता और वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों पर पड़ सकता है।

नेपाल में युवाओं का आक्रोश और विरोध प्रदर्शन यह संकेत देते हैं कि सरकार और जनता के बीच विश्वास का संकट गहरा रहा है। अगर यह स्थिति और बिगड़ी तो चीन अपना प्रभाव वहां और बढ़ाने का प्रयास कर सकता है। चीन पहले से ही नेपाल में अपनी पकड़ बनाये हुए है। ऐसे में नेपाल के लोकतांत्रिक संस्थानों में अविश्वास और अशांति बढ़ी तो यह भारत के लिए रणनीतिक चुनौती बन सकती है। इसके अलावा, नेपाल में सामाजिक असंतोष और राजनीतिक अशांति सीमा पार अपराध, तस्करी और अवैध गतिविधियों को भी बढ़ावा दे सकते हैं। नेपाल में मीडिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगना युवाओं में निराशा और विद्रोह की भावना को और बढ़ाता है, जो लंबे समय में भारत के लिए सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता की दृष्टि से जोखिम बन सकता है। इसलिए भारत को नेपाल के हालात पर सतर्क नजर रखनी चाहिए। यह सतर्कता केवल सीमा सुरक्षा तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसमें कूटनीतिक संवाद, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक संपर्क के माध्यम से नेपाल के लोकतांत्रिक ढांचे और सामाजिक स्थिरता को बनाए रखने का प्रयास शामिल होना चाहिए। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि नेपाल के अंदरूनी संकट भारत-नेपाल संबंधों को प्रभावित न करें और क्षेत्रीय संतुलन बना रहे। देखा जाये तो नेपाल में बिगड़ते हालात भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा, सामरिक संतुलन और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़ा मामला भी है। इसलिए भारत को सक्रिय, सतर्क और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना अनिवार्य है।

नेपाल सरकार को इस स्थिति को संभालने के लिए संतुलित और पारदर्शी रुख अपनाना होगा। सबसे पहले, युवा नेताओं और प्रदर्शनकारियों के साथ खुले संवाद की आवश्यकता है। सोशल मीडिया एप्स पर प्रतिबंध का उद्देश्य और कानूनी आधार स्पष्ट करना जरूरी है ताकि जनता को यह विश्वास हो कि यह कदम सिर्फ डिजिटल सुरक्षा और कानूनी संगति के लिए उठाया गया है, न कि युवाओं की आवाज़ दबाने के लिए। इसके साथ ही, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों को नियंत्रित करने के लिए एक समग्र और न्यायसंगत कानून तैयार किया जाना चाहिए, न कि केवल कैबिनेट निर्णय या तात्कालिक आदेश पर जोर देना चाहिए। विवादास्पद प्रावधानों की समीक्षा और विशेषज्ञ सलाह से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि कानून निष्पक्ष और संतुलित हो।

इसके अलावा, युवाओं की भागीदारी और उनके सुझावों को नीति निर्माण प्रक्रिया में शामिल करना भी आवश्यक है। उनके दृष्टिकोण को गंभीरता से लेने से यह संदेश जाएगा कि सरकार उनकी आवाज़ को महत्व देती है। साथ ही, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसक कार्रवाई से बचना चाहिए और शांतिपूर्ण संवाद के माध्यम से समाधान खोजा जाना चाहिए। डिजिटल शिक्षा और जागरूकता बढ़ाने के कार्यक्रमों के जरिए युवा समाज को जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग की ओर प्रेरित किया जा सकता है। बहरहाल, देखा जाये तो नेपाल सरकार के सामने यह चुनौती केवल सोशल मीडिया नियंत्रण की नहीं है, बल्कि लोकतंत्र और युवा चेतना को बनाए रखने की भी है। संतुलित, पारदर्शी और संवादात्मक रुख अपनाकर ही सरकार युवा नाराजगी को शांत कर सकती है और देश में राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता सुनिश्चित कर सकती है।

'निकाह करो, मुसलमान बनो', बरेली में 7 महीने तक युवती को करता रहा परेशान

लोहे की रॉड से भी किया हमला, पुलिस ने लिया ये एक्शन

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। देश में धर्मांतरण के लिए दबाव के कई मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। पुलिस ऐसे मामलों पर एक्शन भी लेती है। उत्तर प्रदेश के बरेली में भी पुलिस ने एक युवती की तहरीर पर धर्म परिवर्तन और निकाह का दबाव बनाने वाले युवक पर एक्शन लिया है। युवती ने बताया था कि उस पर आरोपी ने लोहे की रोड से हमला भी किया था।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी राइयान उर्फ बिट्टू करीब सात महीने से उसे फोन कॉल कर परेशान कर रहा था। वह बार-बार फोन करके युवती से धर्म परिवर्तन कर निकाह करने की जिद करता था। कहता था- मुझसे निकाह करो और मुसलमान बनो। युवती ने उसे कई बार मना किया, लेकिन आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। युवती ने बताया कि आरोपी के परिवार वाले भी इस साजिश में शामिल थे और लगातार उस पर दबाव बना रहे थे। परेशान होकर युवती ने रविवार को कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राइयान को 2 दिन बाद गिरफ्तार कर लिया।

दुकान पर आई युवती पर किया हमला

आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह शास्त्री मार्केट, जवाहर होटल वाली गली में रहता है। उसकी पढ़ाई कक्षा पांच तक ही हुई है और वह मिक्सी रिपेयरिंग का काम करता है। आरोपी ने बताया कि कुछ महीने पहले जब युवती अपनी मिक्सी ठीक कराने उसके पास आई थी, तो उसने बहाने से उसका मोबाइल नंबर ले लिया था। इसके बाद से वह फोन पर बातचीत करके युवती को परेशान करता रहा। छह सितंबर को युवती फिर उसकी दुकान पर पहुंची तो दोनों के बीच विवाद हो गया। इसी दौरान आरोपी ने गुस्से में आकर लोहे की रॉड से युवती पर हमला कर दिया। युवती ने शोर मचाया तो लोग इकट्ठा हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की और हमले में इस्तेमाल की गई लोहे की रॉड भी बरामद कर ली। कोतवाल अमित पांडेय ने बताया कि आरोपी राइयान को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजा जाएंगा।

युवती के समर्थन में खड़े हुए हिंदू संगठन

इस घटना के बाद हिंदूवादी संगठनों ने पीड़िता के पक्ष में कोतवाली पर पहुंचकर धरना दिया। उन्होंने आरोपी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की और युवती को सुरक्षा देने की बात कही। संगठनों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं समाज में असुरक्षा का माहौल पैदा करती हैं, इसलिए दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अधिकारीओ का कहना है कि अगर परिवार के अन्य सदस्यों की संलिप्तता पाई जाती है, तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होगी।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक सम्पन्न

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक अयोध्या की मणिराम छावनी में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने की। इसमें राम मंदिर निर्माण और उससे जुड़े प्रोजेक्ट्स पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में 25 नवंबर को होने वाले राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह की तैयारियों पर खास फोकस रहा। इससे पहले निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंदिर परिसर का निरीक्षण किया और राम दरबार के दर्शन किए। नृपेंद्र मिश्र ने स्पष्ट किया कि अब मंदिर से संबंधित कोई नई परियोजना शुरू नहीं की जाएगी। केवल पूर्व स्वीकृत योजनाओं और चल रहे निर्माण कार्यों को ही प्राथमिकता दी जाएगी।

बैठक के बाद महासचिव चंपत राय ने बताया कि बैठक में 9 ट्रस्टी मौजूद रहे, जबकि 3 ट्रस्टी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। बिहार के ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल के निधन के बाद रिक्त पद पर आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक डॉ. कृष्ण गोपाल को नया ट्रस्टी नामित किया गया है। वहीं अयोध्या के राजा विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र की मृत्यु से खाली हुई सीट पर अभी किसी का चयन नहीं हुआ है। नृपेंद्र मिश्र ने जानकारी दी कि राम मंदिर निर्माण पर अब तक करीब 1400 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। इनमें से 1100 करोड़ का भुगतान ट्रस्ट द्वारा किया जा चुका है। बाकी राशि संग्रहालय और अन्य परियोजनाओं पर खर्च होगी। ट्रस्ट अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय का निर्माण भी करा रहा है। इसमें 20 गैलरियां बनाई जा रही हैं, जिन पर लगभग 200 करोड़ रुपए खर्च होंगे। हर गैलरी में भगवान श्रीराम की जीवन लीला को 10-10 मिनट के डिजिटल एपिसोड के जरिए दिखाया जाएगा। पवनपुत्र हनुमान को समर्पित एक विशेष गैलरी भी प्रस्तावित है, जिसमें 7 डी तकनीक से उनकी कथाएं दिखाई जाएंगी। साथ ही, यह भी बताया जाएगा कि दुनिया के अलग-अलग देशों में भगवान राम की पूजा-अर्चना किस रूप में होती है। बाउंड्री वॉल और गेट का काम जारी बैठक में बताया गया कि मंदिर परिसर की बाउंड्री वॉल का काम शुरू हो चुका है। मप्र ने दो ठेकेदारों को यह जिम्मेदारी दी है। भीड़ प्रबंधन के लिए गेट नंबर 3 और 11 को विशेष रूप से विकसित किया जा रहा है। गेट नंबर 11 को 10 अक्टूबर से खोल दिया जाएगा, जबकि गेट नंबर 3 पर काम बाद में पूरा होगा। इन गेटों को साधु समाज की प्रमुख हस्तियों के नाम पर समर्पित करने की योजना है। दिसंबर 2025 तक पूरा काम पूरा करने का लक्ष्य है। एलएनटी बोर्ड डायरेक्टर ने कहा कि निर्माण की गति बढ़ाने के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ाना जरूरी है। इस समय एलएनटी के 1200 श्रमिक और राजकीय निर्माण निगम के 250 श्रमिक कार्यरत हैं। त्योहारों के दौरान श्रमिकों की अनुपस्थिति एक बड़ी चुनौती है। बैठक में ध्वज स्थापना, वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक चुनौतियां और सुरक्षा उपकरणों की स्थापना पर भी चर्चा हुई। पुलिस विभाग ने सुरक्षा उपकरणों की खरीद पूरी कर ली है, जिन्हें जल्द ही लगाया जाएगा। बैठक में महासचिव चंपत राय, निर्माण समिति अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र, कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरी, शंकराचार्य वासुदेवानंद सरस्वती, जगद्गुरु माधवाचार्य विश्वप्रसन्न तीर्थ, युगपुरुष स्वामी परमानंद, महंत दिनेंद्र दास, डॉ. अनिल मिश्र, विशेष आमंत्रित सदस्य दिनेशचंद्र, गोपाल राव, केंद्र और राज्य सरकार के प्रतिनिधि व अयोध्या जिला अधिकारी शामिल रहे।

मुख्यमंत्री को सम्बोधित 7 सूत्रीय मांग पत्र खण्ड विकास अधिकारी को सौपा

आर्यावर्त संवाददाता

मसौली बाराबंकी। भारतीय किसान संघ उत्तर प्रदेश के प्रांतीय आह्वान पर मंगलवार को संघ के स्थानीय पदाधिकारियो ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित 7 सूत्रीय मांग पत्र खण्ड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव को सौपा।

भारतीय किसान संघ के ब्लाक अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार एव मंत्री उत्तम वर्मा की अगुवाई मे खण्ड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव को 7 सूत्रीय ज्ञापन सौपते हुए उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की है कि किसानो को समय से गुणवत्तापूर्ण खाद, बीज व रासायनिक दवाए उपलब्ध करायी जाय तथा मिलावट करने वालो के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाय। खेतो की सिंचाई के लिए स्थापित राजकीय नलकूपों की समय से मरमम्त कराई जाय जिससे किसानो को पानी मिल सके। राजकीय नलकूपों एव नहरों की नालियों की मनरेगा योजना से सफाई कराने की मांग की है तथा दिन मे सुचारु रूप से विद्युत आपूर्ति की मांग की है। इस दौरान राम शंकर मिश्रा, राम कैलाश वर्मा बीडीसी, दीनबंधु वर्मा, विशेष कुमार, रामानंद रावत आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

80 साल की दादी को चारपाई से गिराया, फिर कर दी धुनाई... पोते की बर्बरता का वीडियो वायरल

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। कहते हैं कि बच्चे से जितना प्यार माता-पिता करते हैं, उससे कहीं ज्यादा दुलार दादा-दादी करते हैं। मगर कई लोग रिश्तों का भी लिहाज नहीं रखते। उत्तर प्रदेश के बागपत से ऐसा ही एक मामला सामने आया है। यहां एक पोते ने दादी की बेरहमी से पिटाई कर डाली, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो कुछ दिन पुराना बताया जा रहा है। नहीं, दादी की एक सप्ताह पहले मौत हो चुकी है।

जब से पिटाई का ये वीडियो वायरल हुआ है, लोगों में रोष व्याप्त है। लोग आरोपी पोते के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मामला सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र के बसौद गांव की है। यहां एक 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला के साथ उसके ही पोते फरमान ने बेरहमी से मारपीट की। यह पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई,

जिससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया है।

वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि फरमान बिना किसी कारण अपनी दादी पर हाथों से हमला कर रहा है। बुजुर्ग महिला खुद को बचाने का प्रयास कर रही है, लेकिन आरोपी की हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही। उसने पहले चारपाई पर लेटी दादी को गिराया। फिर उन्हें पीटता ही रहा।

गांव वालों में आक्रोश व्याप्त

गांव के लोगों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि यह घटना परिवार और समाज दोनों के लिए शर्मनाक है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही क्षेत्र में मानवता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। लोगों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस कर रही मामले की जांच

जानकारी के अनुसार, पीड़िता महिला की एक सप्ताह पहले मौत हो चुकी है। परिजनों ने इस मामले में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई, लेकिन पुलिस ने स्वयं संज्ञान ले लिया है। एएसपी बागपत प्रवीण सिंह चौहान ने बताया कि एसपी सूरज कुमार राय के निर्देश पर सीओ बागपत को मामले की जांच सौंप दी गई है। जांच पूरी होने पर आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे इलाके में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

एक आदमी और 6 जिलों में नौकरी! सभी से ले रहा था वेतन, आगरा के अर्पित ने कैसे लगाया करोड़ों का चूना?

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में 2016 की X-Ray टेक्निशियन भर्ती में सनसनीखेज फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। आगरा निवासी अर्पित सिंह नाम के एक व्यक्ति ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए 6 अलग-अलग जिले बलरामपुर, फर्रुखाबाद, रामपुर, बांदा, अमरोहा और शामली में नौकरी हासिल की और सालों तक वेतन उठाता रहा। इस घोटाले से विभाग को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। मामले का खुलासा मानव संपदा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के बाद हुआ, जिसके बाद लखनऊ के वजीरगंज थाने में 8 सितंबर को FIR दर्ज की गई है। पुलिस ने धारा 419, 420, 467, 468 और 471 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

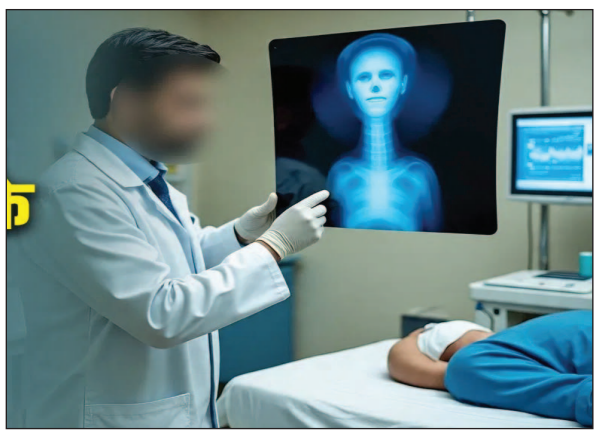

यह भर्ती 25 मई 2016 को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) के माध्यम से हुई थी। जब प्रदेश में अखिलेश यादव की सरकार थी। आयोग ने 403 उम्मीदवारों की सूची जारी की थी, जिसमें क्रम संख्या 80 पर अर्पित सिंह पुत्र अनिल कुमार सिंह का नाम शामिल था। जांच में सामने आया कि इस नाम से 6 अलग-अलग व्यक्तियों ने फर्जी आधार कार्ड और कूटरचित दस्तावेजों के जरिए नियुक्तियां हासिल कीं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, लखनऊ की निदेशक पैरामेडिकल डॉ। रंजना खरे ने इस मामले में FIR दर्ज कराई है।

स्वास्थ्य विभाग को करोड़ों का नुकसान

जांच में पता चला कि अर्पित सिंह के नाम पर 6 व्यक्तियों ने 2016 से लगातार वेतन उठाया, जिससे स्वास्थ्य विभाग को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। यह फर्जीवाड़ा तब उजागर हुआ, जब मानव संपदा पोर्टल पर कर्मचारियों का डेटा अपलोड किया गया। डिप्टी CM ब्रजेश पाठक के निर्देश पर विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वजीरगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया।

CM योगी ने सपा पर साधा निशाना

मामले के सामने आने के बाद CM योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। एक नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में उन्होंने कहा, 'सपा सरकार में एक परिवार के लोग पैसा लेकर भर्तियां करते थे। उनकी कई भर्तियों की जांच CBI को सौंपी गई। एक व्यक्ति 8-8 जगह नौकरी कर रहा था। जांच समय पर पूरी हो जाए, तो कई लोग जेल में जीवन बिताने को मजबूर होंगे'। CM ने कहा कि 2016 की इस भर्ती की जांच चल रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस जांच में जुटी

वजीरगंज थाने में दर्ज FIR में धोखाधड़ी, जालसाजी और कूटरचित दस्तावेजों के इस्तेमाल की धाराएं जोड़ी गई हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस घोटाले में और कौन-कौन शामिल है और फर्जी दस्तावेज कैसे तैयार किए गए हैं।

गांव वालों में बांटा भंडारे का बचा हुआ खाना... खाते ही अस्पताल पहुंच गए 100 लोग

आर्यावर्त संवाददाता

कासगंज। उत्तर प्रदेश के कासगंज के सिढपुरा विकास खंड क्षेत्र में एक साथ करीब 100 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। ये मामला कायमपुर गांव से सामने आया है, जहां हनुमान मंदिर पर गांव वालों की मदद से से कथा के बाद भंडारे का आयोजन किया गया था। भंडारे का बचा हुआ खाना खाने से 100 से ज्यादा गांव वालों की तबीयत खराब हो गई। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करा गया।

हुआ यूं कि गांव कायमपुर के हनुमान मंदिर पर सभी गांव वालों ने मिलकर कथा का आयोजन कराया। शनिवार को कथा के समापन पर रविवार को भंडारा हुआ। भंडारे में पांच हजार के तकरीबन लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सोमवार को बचे हुए खाने को गांव वालों में बांट दिया गया, लेकिन बचा हुए खाना खाने के बाद करीब 100 लोगों को फूड पॉइजनिंग हो गई और उन्हें उल्टी, दस्त और पेट में दर्द की शिकायत हुई।

फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम पहुंची

इसके बाद जिन लोगों की तबीयत बिगड़ी उन्हें सिढपुरा, अमांपुर, कासगंज जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इसके साथ ही कई लोगों को प्राइवेट हॉस्पिटल में भी भर्ती कराया। दो दर्जन गांव वालों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मामले की जानकारी मिलने पर फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम भी मौके पर पहुंची और खाने के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे। रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा कि आखिरकार गांव वालों की तबीयत खाना खाने से क्यों बिगड़ी।

250 लोगों की तबीयत बिगड़ गई थी

हाल ही में मध्य प्रदेश के शिवपुरी के कोलारस थाना क्षेत्र के मोहराई गांव से एक ऐसा मामला सामने आया था, जब भंडारे का हलवा खाने से 250 लोगों की तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भंडारे में देसी घी से बना हुआ हलवा प्रसाद के रूप में परोसा गया, लेकिन जो घी का डिब्बा सामने आया था। उस पर साफ तौर पर लिखा था कि घी इंसानों के खाने के लायक नहीं है।

हेलमेट पहनना न केवल खुद की सुरक्षा के लिए जरूरी है

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। हेलमेट पहनना न केवल खुद की सुरक्षा के लिए जरूरी है। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में हेलमेट पहनने की आदत अहम भूमिका निभाती है। यह सड़क दुर्घटनाओं में सिर की चोटों से बचाव करता है। उक्त उद्गार जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी के निर्देश पर 1 से 30 सितम्बर तक चलाये जा रहे नो हेलमेट नो फ्यूल अभियान के तहत यात्री/मालकर अधिकारी रवि चन्द्र त्यागी ने ईधन भरवाने आये दोपहिया वाहन चालको को जागरुक करते हुये व्यक्त किये। इस दौरान बिना हेलमेट मिलने पर 24 वाहनो के चालान भी किये गये। अभियान की जानकारी देते हुये सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन/प्रवर्तन अंकिता शुक्ला ने बताया कि सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए नो हेलमेट नो फ्यूल अभियान चलाया जा रहा है। जिसमे आज मंगलवार को यात्री/मालकर अधिकारी ने जनपद के विभिन्न पेट्रोल पम्प पर बिना हेलमेट मिलने पर 24 वाहनो के चालान व चालको को जागरुक भी किया।

कौन है भूषण वर्मा? सेवादार बनकर दो करोड़ का कलश चुराए... अगले महीने होनी है बेटी की शादी

आर्यावर्त संवाददाता

हापुड़। देश की राजधानी दिल्ली से तीन कलश चोरी हो गए थे। ये तीनों कलश लाल किला के सामने पार्क से चोरी हुए थे। दो करोड़ की कीमत वाले ये कलश जैन समाज के धार्मिक अनुष्ठान से चुरा लिए गए थे। अब उत्तर प्रदेश की हापुड़ पुलिस ने कलश चोरी के इस मामले में मास्टरमाइंड समेत तीन आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली है। साथ ही चोरी का समान भी बरामद कर लिया है।

कलश चोरी के मामले में तीनों गिरफ्तारियां रविवार रात को की गईं। चोरी के इस मामले में मास्टरमांइड का नाम भूषण वर्मा है। पुलिस ने उसको उसके गांव असौड़ा से गिरफ्तार किया। भूषण के परिवार में उसकी पत्नी, दों बेटियां और एक बेटा है। वो परिवार के साथ पिछले एक साल से शहर की वैशाली कॉलोनी में रह रहा था। इससे पहले वह श्रीनगर

मोहल्ले का निवासी था।

दो महीने बाद है बेटी की शादी

भूषण ने अपना ठिकाना, पता इसलिए बदल लिया था क्योंकि उसके पड़ोसियों को ये बात पता चल गई थी कि वो चोरियां करता है। भांड़ा फूटने के डर से उसने ठिकाना बदला था। भूषण ने पुलिस को कलश बेचकर बेटी की शादी के लिए पैसे एकत्र करने की बात बताई। दो महीने बाद उसकी बड़ी बेटी की शादी होनी है। वैशाली कॉलोनी के लोगों ने बताया कि वो भूषण के बारे में अधिक नहीं जानते थे।

लोगों को बस उसके सराफा का काम करने के बारे में पता था। हालांकि भूषण मुख्य रूप से ड्राइवर था। उसने पिछले साल दिल्ली के लाल मंदिर और अशोक विहार स्थित मंदिर से भी कलश की चोरी की थी। उसके खिलाफ पांच केस दर्ज हैं। चोरी के मामले में ही वो साल 2016 में जेल की हवा खा चुका है। आरोपी भूषण के बारे में ये सारी बातें हापुड़ पुलिस ने बताई।

जैन समाज के आयोजनों पर रखता था नजर

पुलिस बताया कि भूषण वर्मा के निशाने पर सिर्फ जैन समाज के धार्मिक आयोजन रहते थे। ऐसा इसलिए क्योंकि जैन समाज के धार्मिक कार्यक्रमों में जिन कलश का उपयोग किया जाता है वो सोने के और रत्नजड़ित होते हैं। वह जैन संत या सेवादार बनकर आयोजनों में जाता। फिर रेकी करके चोरी करता।

लालकिला पार्क में तीन सितंबर को कार्यक्रम आयोजित किया गया था। आरोपी कार्यक्रम से 760 ग्राम सोने और 150 ग्राम हीरे से जड़ा एक कलश और दो शुद्ध सोने के कलश चुराकर रफुचक्कर हो गया था।

द्वार कार्यक्रम आओ चले गांव की ओर के तहत पार्टी की मजबूती के लिए बनी रणनीति

» विधानसभा, ब्लॉक, मंडल में पहले जाकर अपनी समीक्षा कर ले

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ शिव कुमार पटेल ने बताया कि संगठन सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कांग्रेस कमेटी के द्वार कार्यक्रम आओ चले गांव की ओर 20 दिवस कार्यक्रम 10 सितंबर से 29 सितंबर तक आयोजित हैं। सभी पदाधिकारियो के प्रभार क्षेत्र विधान सभा, ब्लॉक एव मंडल के प्रभारियों एव वरिष्ठ कांग्रेस जनो से निवेदन है कि जिसके पास जिस प्रभार क्षेत्र की जिम्मेदारी है। उस विधानसभा, ब्लॉक, मंडल में पहले जाकर अपनी समीक्षा कर ले। ताकि कार्यक्रम सही तरीके से सफल हो सके। सभी मंडलों के नवनियुक्त पदाधिकारी न्याय पंचायत अध्यक्ष व बूथ को और मजबूत बनाने के लिए इस कार्यक्रम में आप सब लोग अपनी भूमिका निभाएं। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राहुल गांधी श्रीमती प्रियंका गांधी अविनाश पांडे अजय राय विजेंद्र मिश्रा विक्रम पटेल राजेश द्विवेदी प्रभारी गण के द्वार संगठन सृजन कार्यक्रम को बूथ तक मजबूत करने के लिए हम सब लोग मिलकर कार्यक्रम आओ चले गांव की ओर कार्यक्रम को सफल बनाएं और मजबूत कार्यकर्ता सशक्त सैनिक बूथ पर बनाएं। सभी के फ्रंटल प्रकोष्ठ के पदाधिकारी गण, विधान सभा का चुनाव लड़े नेतागण, जिला पंचायत का चुनाव लड़े नेतागण, नगर पंचायत का चुनाव लड़े, नेतागण अपने विधानसभा, नगर पालिका, नगर पंचायत, मंडल के कार्यक्रम में पहुंचकर पार्टी को मजबूत करें।

कपड़ों पर लगे पेन के दागों को छुड़ाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

कपड़ों पर पेन का दाग लगना एक आम समस्या है, जो किसी भी समय और किसी भी जगह हो सकती है, खासकर बच्चों के कपड़ों पर यह दाग बहुत जल्दी लग जाते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार तरीकों के बारे में बताएंगे, जिनसे आप कपड़ों पर लगे पेन के दागों को आसानी से साफ कर सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने कपड़ों को नए जैसा बना सकते हैं।

रबिंग अल्कोहल का करें इस्तेमाल

रबिंग अल्कोहल एक असरदार उपाय है, जिससे आप कपड़ों पर लगे पेन के दागों को आसानी से साफ कर सकते हैं। इसके लिए एक कपड़े पर थोड़ी मात्रा में रबिंग अल्कोहल डालें और उसे हल्के हाथों से रगड़ें। इससे दाग धीरे-धीरे हटने लगेगा। अगर दाग ज्यादा गहरा हो तो इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें, फिर से रगड़ें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएं ताकि दाग पूरी तरह से हट जाए।

डिटर्जेंट पाउडर या लिक्विड का करें उपयोग

डिटर्जेंट पाउडर या लिक्विड भी पेन के दाग हटाने में मदद कर सकता है। इसके लिए पहले डिटर्जेंट पाउडर या लिक्विड को पानी में घोल लें, फिर इसे दाग वाली जगह पर लगाएं और कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। अगर दाग हल्का हो गया हो तो इसे दोहराएं। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराने पर दाग पूरी तरह से हट सकता है।

नींबू का रस और नमक का मिश्रण अपनाएं

नींबू का रस और नमक का मिश्रण भी पेन के दाग छुड़ाने में कारगर हो सकता है। इसके लिए नींबू के रस में थोड़ा नमक मिलाएं और इसे दाग वाली जगह पर लगाकर कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। फिर इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराने पर दाग पूरी तरह से साफ हो जाएगा। यह तरीका कपड़ों को नुकसान पहुंचाए बिना काम करता है।

बेकिंग सोडा आएगा काम

बेकिंग सोडा एक ऐसा सामग्री है, जिसका इस्तेमाल कई घरेलू कामों में किया जाता है। यह पेन के दाग हटाने में भी मदद कर सकता है। इसके लिए बेकिंग सोडा को पानी में मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं, फिर इस पेस्ट को दाग वाली जगह पर लगाएं और कुछ मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें।

हेयरस्प्रे भी है असरदार

हेयरस्प्रे भी पेन के दाग हटाने में मदद कर सकता है। इसके लिए हेयरस्प्रे को दाग वाली जगह पर छिड़कें और कुछ देर सूखने दें, फिर इसे हल्के हाथों से रगड़ें। इसके बाद ठंडे पानी से धो लें। इन सभी तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपने कपड़ों से पेन के दाग हटा सकते हैं और उन्हें नए जैसा बना सकते हैं। इन उपायों को आजमाकर देखें और अपने कपड़ों को साफ-सुथरा रखें।

गुड-बैड कोलेस्ट्रॉल क्या है, इसका क्या काम होता है और मात्रा कितनी होनी चाहिए?

भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल, बाहर का तला-भुना खाना, व्यायाम की कमी और तनाव, ये सब धीरे-धीरे हमारे शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल बढ़ा देते हैं और गुड कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल को कम कर देते हैं।

रोजमर्रा की जिंदगी में हम जो कुछ भी करते हैं उसका असर सीधे हमारे शरीर पर पड़ता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को सावधानी बरतते रहने की सलाह देते हैं। गड़बड़ लाइफस्टाइल और खराब खानपान के कारण जो समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है उनमें से कोलेस्ट्रॉल भी एक है। कोलेस्ट्रॉल वैसे तो हमारे शरीर के लिए जरूरी होता है पर अगर ये जरूरत से ज्यादा हो जाए तो दिल की सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है।

भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल, बाहर का तला-भुना खाना, व्यायाम की कमी और तनाव, ये सब धीरे-धीरे हमारे शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल बढ़ा देते हैं और गुड कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल को कम कर देते हैं। कौन सा कोलेस्ट्रॉल अच्छा है, कौन सा नुकसान करता है, इसकी मात्रा कितनी होनी चाहिए, ये सब समझकर आप अपने शरीर को सुरक्षित रख सकते हैं। आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं।

पहले जानिए कोलेस्ट्रॉल क्या है?

कोलेस्ट्रॉल एक प्रकार का वसायुक्त पदार्थ या फैट है जो हमारे शरीर में कोशिकाओं की झिल्ली बनाने, हार्मोन निर्माण और पाचन के लिए जरूरी होता है। लेकिन जब शरीर में इसका स्तर अधिक हो जाता है, तो यह सेहत के लिए खतरा बन सकता है। खासकर आज की जीवनशैली, जंक फूड, तनाव, और शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण कई लोग उच्च कोलेस्ट्रॉल की समस्या से जूझ रहे हैं।

हाई कोलेस्ट्रॉल की वजह से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। यह धमनियों की दीवारों पर जमा होकर उन्हें संकरा कर देता है, जिससे रक्त का प्रवाह बाधित होता है। परिणामस्वरूप हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यह समझना जरूरी है कि कोलेस्ट्रॉल पूरी तरह से खराब नहीं होता। यह शरीर के लिए आवश्यक है, लेकिन जब इसका संतुलन बिगड़ता है तभी यह सेहत के लिए खतरा बनता है। कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार का होता है– गुड कोलेस्ट्रॉल और बैड कोलेस्ट्रॉल। दोनों का शरीर में अलग-अलग काम होता है, इसलिए इनके संतुलन को समझना जरूरी है।

क्या होता है बैड कोलेस्ट्रॉल

जैसा कि नाम से ही पता चलता है, बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) नुकसानदायक है, यह धमनियों में जमा होकर उन्हें संकरा कर देता है। इससे रक्त प्रवाह कम हो सकता है और दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जब एलडीएल का स्तर ज्यादा हो, तो इसे कम करने के लिए भोजन में संतुलन और व्यायाम के साथ दवाओं की जरूरत हो सकती है।

डॉक्टर बताते हैं कि एलडीएल का स्तर 100 mg/dL से कम होना चाहिए। 130-159 mg/dL 'बॉर्डरलाइन' माना जाता है और 160 mg/dL से ऊपर खतरनाक है।

गुड कोलेस्ट्रॉल क्या है?

यहां भी नाम से स्पष्ट होता है कि ये गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) है। यह शरीर में जमा अतिरिक्त फैट को साफ करने में मदद करता है और हृदय को स्वस्थ रखता है। एचडीएल जितना ज्यादा होगा, दिल की सेहत उतनी ही अच्छी मानी जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार एचडीएल का स्तर 60 mg/dL या उससे ऊपर होना चाहिए। 40 mg/dL से कम होने पर दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

डॉक्टर कहते हैं, स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर बैड कोलेस्ट्रॉल को कम और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाया जा सकता है। कम उम्र से ही संतुलित भोजन, नियमित व्यायाम, धूम्रपान से बचाव, वजन नियंत्रित रखना और तनाव कम करना आपके लिए मददगार हो सकता है। वहीं जिन लोगों को बैड कोलेस्ट्रॉल अक्सर बढ़ा रहता है उन्हें डॉक्टर की सलाह से दवा जरूर लेनी चाहिए।

रोजमर्रा की ये गलतियां आपकी आंखों को पहुंचाती हैं नुकसान, नहीं दिया ध्यान तो चली जाएगी रोशनी

हम में से ज्यादातर लोग मोबाइल-टीवी या कंप्यूटर का इस्तेमाल बिना सोचे-समझे घंटों तक करते रहते हैं, आंखों में जलन होने पर उसे रगड़ते हैं, बिना डॉक्टर की सलाह के आई ड्रॉप्स डाल लेते हैं। ये सब आदतें शुरुआत में छोटी लगती हैं, लेकिन समय के साथ गंभीर बीमारियों का रूप ले सकती हैं।

हम सब चाहते हैं कि हमारी आंखें हमेशा साफ, चमकदार और स्वस्थ बनी रहें। लेकिन कई बार हमारी रोजमर्रा की आदतें ऐसी होती हैं जो धीरे-धीरे आंखों की रोशनी को नुकसान पहुंचाती हैं। आंखें ईश्वर का वरदान हैं, इन्हें स्वस्थ रखने के लिए हमें निरंतर प्रयास करते रहने की आवश्यकता होती है। अध्ययनों से पता चलता है कि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण पूरे शरीर के साथ आंखों की सेहत पर भी असर हो सकता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए ये जरूरी है।

हम में से ज्यादातर लोग मोबाइल, टीवी या कंप्यूटर का इस्तेमाल बिना सोचे-समझे घंटों तक करते रहते हैं, आंखों में जलन होने पर उसे रगड़ते हैं, बिना डॉक्टर की सलाह के आई ड्रॉप्स डाल लेते हैं। ये सभी आदतें शुरुआत में छोटी लगती हैं, लेकिन समय के साथ गंभीर बीमारियों का रूप ले सकती हैं।

शोध बताते हैं कि इनसे आंखों की नमी कम होती है, लेंस और रेटिना पर असर पड़ता है और यहां तक कि स्थाई रूप से दृष्टि हानि का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों को लेकर सजग रहें। आइए जानते हैं कि किन कारणों से आंखों को सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है और इससे बचाव के लिए क्या प्रयास किए जा सकते हैं?

सभी लोगों के लिए जरूरी है आंखों की देखभाल

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हमारी आंखें बहुत नाजुक और संवेदनशील होती हैं। यही कारण है कि इनकी देखभाल हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। कुछ आदतों को सुधारकर आप अपनी आंखों को सुरक्षित और स्वस्थ रख सकते हैं। अगर आपको आंखों में कोई परेशानी महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

आंखों की नियमित जांच कराना आंखों को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है। साल में कम से कम एक बार आंखों की जांच जरूर कराएं। आइए जानते हैं इसके अलावा किन आदतों से बचाव करना जरूरी है।

देर रात तक मोबाइल या टीवी देखना खतरनाक

आजकल लोग देर रात तक मोबाइल, लैपटॉप या टीवी पर समय बिताते हैं। शोध बताते हैं कि स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी आंखों की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती है। लगातार स्क्रीन देखने से आंखें थक जाती हैं, सूखने लगती हैं और सिर दर्द भी होने लगता है।

अकादमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी की रिपोर्ट बताती है कि नीली रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन को प्रभावित करती है जिससे नींद की गुणवत्ता खराब होती है। नींद पूरी न होने से आंखों की मांसपेशियां आराम नहीं कर पातीं और धीरे-धीरे दृष्टि कमजोर होने लगती है।

स्क्रीन पर अधिक समय बिताने से डिजिटल आई स्ट्रेन, ड्राई आई सिंड्रोम और धुंधला दिखने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आंखों को स्वस्थ रखने के लिए 20-20-20 नियम अपनाएं– हर 20 मिनट बाद 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर देखें।

अस्वस्थ खानपान का आंखों पर असर

अस्वस्थ खानपान के कारण भी आंखों की दिक्कतें बढ़ सकती हैं। आहार में पोषण की कमी, विशेष रूप से विटामिन-ए, सी और ई की कमी से आंखों की रोशनी कमजोर हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि सभी लोगों को पौष्टिक चीजों का सेवन करना चाहिए। हरी सब्जियां, गाजर, बादाम और मछली जैसे खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करें।

बिना डॉक्टर की सलाह के आई ड्रॉप्स का इस्तेमाल नुकसानदायक

कई लोग आंखों की जलन या लालिमा होने पर खुद से आई ड्रॉप्स का उपयोग करने लगते हैं, लेकिन यह आदत बहुत नुकसानदायक है। शोध बताते हैं कि बिना सलाह के इस्तेमाल की गई ड्रॉप्स में स्टेरॉयड हो सकते हैं जो अस्थाई राहत तो देते हैं, लेकिन लंबे समय में आंखों की नमी घटा देते हैं और ग्लूकोमा जैसी गंभीर समस्या पैदा कर सकते हैं। अमेरिकन ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसायटी' के अनुसार स्टेरॉयड युक्त ड्रॉप्स का अति प्रयोग आंखों की दृष्टि को स्थायी नुकसान पहुंचा सकता है।

चेहरे पर नजर आते हैं गड्ढे तो ये 3 नुस्खे आजमाकर देख लें, एकदम चांद सी चमकेगी स्किन

चेहरे की खूबसूरती में तब ज्यादा बढ़ जाती है, जब स्किन एकदम साफ और चमकदार होती है लेकिन कई बार पुराने मुहांसों की वजह से चेहरे पर गहरे गड्ढे या दाग-धब्बे बन जाते हैं, जो न केवल आत्मविश्वास को कम करते हैं बल्कि खूबसूरती पर भी दाग लगाते हैं। ऐसे में लोग महंगे स्किन ट्रीटमेंट्स की ओर भागते हैं, जिनका असर कभी-कभी स्थायी नहीं होता या साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं।

अगर आप भी चेहरे के इन गड्ढों से परेशान हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ प्राकृतिक घरेलू उपाय ऐसे हैं जो आपकी स्किन को बिना किसी नुकसान के रिपेयर कर सकते हैं और चेहरे को दोबारा निखार सकते हैं। इस लेख में हम आपके साथ 3 असरदार और आजमाए हुए नुस्खे साझा कर रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप चेहरे की पुरानी गहराइयों को धीरे-धीरे भर सकते हैं।

अंडे की सफेदी

यदि आपके चेहरे पर भी गड्ढे नजर आते हैं और आपको अंडे से कोई परहेज नहीं है तो ये नुस्खा ट्राई करें। इसके लिए आपको अंडे के सफेद वाले हिस्से को चेहरे पर इस्तेमाल करना है।

अंडे की सफेदी

इसके लिए अंडे को तोड़कर उसका सफेद भाग निकालें और उसे अच्छी तरह से फेंट लें। अब ब्रश की मदद से उसे चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद धो लें। ये आपकी स्किन को टाइट करता है और पोर्स छोटा करता है। जिससे स्कार्स कम दिखते हैं।

बेसन, गुलाबजल और नींबू

ये नुस्खा आप तब इस्तेमाल कर सकते हैं, जब आपको अंडे से इस्तेमाल से दिक्कत हो। इसे तैयार करने के लिए एक चम्मच बेसन में कुछ बूंदे नींबू के रस और गुलाबजल की डालें।

तीनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद इसे चेहरे पर अप्लाई करें। अगर आप हफ्ते में दो बार इस पैक का इस्तेमाल करेंगे तो ये डेड स्किन हटाता है और स्कार्स को हल्का करता है।

अगर आप भी इस्तेमाल करते हैं ई-सिम? तो इससे होने वाले फ्रॉड से बचने का तरीका जानें

जालसाज लोगों को ठगने के लिए ई-सिम फ्रॉड का सहारा भी लेते हैं। इसलिए आपको इस फ्रॉड से बचने के तरीके के बारे में पता होना जरूरी हो जाता है।

लगभग हर दूसरा व्यक्ति मोबाइल फोन का इस्तेमाल करता है। कॉल करना है, सोशल मीडिया पर समय बिताना हो, किसी वेबसाइट या एप पर कुछ काम करना हो, गेम खेलना हो आदि। ऐसे ही नाजाने कितने काम मोबाइल फोन के जरिए हो जाते हैं। मोबाइल फोन के आने से लोगों की आपसी कनेक्टिविटी भी काफी बड़ी है, क्योंकि एक कॉल और एक मैसेज के जरिए आप किसी से भी जब चाहें तब संपर्क साध सकते हैं।

पर क्या आप जानते हैं कि सरकार ने देशभर के मोबाइल यूजर्स को ई-सिम से जुड़े फ्रॉड को लेकर अलर्ट किया है? अगर नहीं, तो आपको इसके बारे में जानना चाहिए क्योंकि आज के समय में एक बड़ी संख्या में लोग ई-सिम का इस्तेमाल करते हैं। तो चलिए जानते हैं ये ई-सिम फ्रॉड क्या है और आप इससे कैसे बच सकते हैं।

क्या है अलर्ट?

दरअसल, देशभर के मोबाइल चलाने वाले लोगों को भारत सरकार की तरफ से एक अलर्ट दिया गया है। ये अलर्ट ई-सिम से जुड़ा है। गृह मंत्रालय की यूनिट इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर की तरफ से ये चेतावनी दी गई है कि इस ई-सिम फ्रॉड से जालसाज बिना ओटीपी या एटीएम की जानकारी भरे ही लोगों के बैंक खाते से पैसा उड़ा रहे हैं।

आखिर क्या है ई-सिम फ्रॉड?

आपको ये जरूर जानना चाहिए कि ई-सिम फ्रॉड होता क्या है। दरअसल, इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन केंद्र के मुताबिक, जालसाज पहले आपको कॉल करते हैं और फिर ई-सिम एक्टिवेशन का फेक लिंक भेजते हैं। ये लिंक फेक होता है और आप जैसे ही इस पर क्लिक करते हैं तो उसका फिजिकल सिम ई-सिम में बदल जाता है। फिर असली सिम के सिग्नल खत्म हो जाते हैं और यूजर को कॉल और SMS मिलना बंद हो जाते हैं। इसके बाद बैंक से जुड़े ओटीपी ठगों की डिवाइस पर आने लगते हैं और इससे वो आपके बैंक खाते से पैसे निकाल लेते हैं।

फ्रॉड से बचने के तरीके

14सी ने ई-सिम फ्रॉड से बचने के लिए कई सुझाव दिए हैं। जैसे, किसी भी अनजाने लिंक पर क्लिक करने से बचें, अगर मोबाइल के नेटवर्क अचानक चले जाते हैं और तुरंत बैंक से संपर्क करें और साथ ही ई-सिम कन्वर्जन के लिए सिर्फ और सिर्फ अपनी टेलीकॉम कंपनी से ही संपर्क करें।

एक्स पर नैरेटिव लोग तय करते हैं, मस्क ने पीटर नवारो को दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रोपेगेंडा फैलाने के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नैरेटिव लोग तय करते हैं।

मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो के बीच यह बयानबाजियां भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद को लेकर विवाद के बीच हुआ।

नवारो ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ₹भारत केवल लाभ के लिए रूसी तेल खरीदता है। रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने से पहले भारत ने तेल की कोई खरीद नहीं की। भारत सरकार की स्पिन मशीन तेज गति से चल रही है। यूक्रेनियों को मारना बंद करो। अमेरिकी नौकरियां छीनना बंद करो।'

कम्युनिटी नोट्स द्वारा एक्स के फैक्ट चेक ने नवारो के कमेंट को मिसलीडिंग बताते हुए फ्लैग किया और कहा कि भारत की संप्रभु ऊर्जा खरीद अंतरराष्ट्रीय कानून का अनुपालन करती है।

नवारो ने इसके बाद मस्क की क्रैप नोट्स की अनुमति देने के लिए आलोचना की।

मस्क ने जवाब दिया, 'इस मंच पर, लोग ही नैरेटिव तय करते हैं।आप किसी भी तर्क के सभी पक्षों को सुनें। कम्युनिटी नोट्स सभी को सही करता है, कोई अपवाद नहीं। नोट्स डेटा और कोड सार्वजनिक स्रोत हैं। ग्रोक आगे फैक्ट-चेकिंग प्रदान करता है।'

भारत सरकार ने भी चल रहे विवाद के बीच नवारो के बयानों को खारिज कर दिया और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने उन्हें गलत और भ्रामक बयान बताया।

नवारो ने पहले भारत की विदेश नीति की आलोचना की थी, तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में रूसी और चीनी नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया मुलाकातों पर सवाल उठाया था और कहा था कि भारत को रूस के साथ नहीं, बल्कि हमारे साथ रहने की जरूरत है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-अमेरिका संबंधों को एक बेहद खास रिश्ता बताया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की है।

ट्रंप चीन के हाथों भारत को खोने वाली अपनी पिछली टिप्पणी से पीछे हटते हुए दिखे और कहा, ₹मैं प्रधानमंत्री मोदी का हमेशा दोस्त बना रहूंगा₹।

इस टिप्पणी के कुछ घंटों बाद, भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने भी जवाब दिया कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं की सराहना करते हैं और उनका पूरा सम्मान करते हैं।

त्योहारों से पहले खुशखबरी, इस कंपनी की गाड़ियां 2 .4 लाख रुपए हुई सस्ती

नई दिल्ली ,08 सितंबर । हुंडई मोटर इंडिया ने रविवार को वस्तु एंव सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती को ग्राहकों को ट्रांसफर करने का ऐलान किया। इससे गाड़ियों की कीमत 2.4 लाख रुपए तक कम हो गई है।

नई कीमतें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी, जब नई जीएसटी की दरें पूरे देश में लागू होंगी। कंपनी के फैसले से ग्रैंड आई10 निओस की कीमत 73,808 रुपए तक, आई 20 की कीमत 98,053 रुपए तक और आई20 एन लाइन की कीमत 1,08,116 रुपए तक कम हो जाएगी। ऑरा और वरना की कीमतों में क्रमशः 78,465 रुपए और 60,640 रुपए तक की कमी आएगी। एसयूवी सेगमेंट में एक्सटर की कीमत में 89,209 रुपए तक की कमी आएगी। वेन्यू और वेन्यू एन लाइन की कीमतों में क्रमशः 1,19,390 रुपए और 1,23,659 रुपए तक की कटौती होगी।

इसके अलावा कंपनी ने अपनी लग्जरी एसयूवी ट्यूसॉन की कीमत को 2,40,303 रुपए तक कम कर दिया है। इससे पहले टाटा मोटर्स, महिंद्रा, टोयोटा और रिनॉल्ट जैसी ऑटोमोबाइल कंपनियां भी जीएसटी के चलते कीमतों में कटौती का ऐलान कर चुकी हैं। सरकार की ओर से अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का ऐलान किया गया है, इसमें टैक्स स्लैब की संख्या को घटाकर दो – 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जो कि पहले चार स्लैब- 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत थी। इसके साथ बड़ी संख्या में चीजों को टैक्स में कटौती की गई है। ये नए सुधार 22 सितंबर से लागू हो रहे हैं।

जीएसटी 2.0 के तहत, सरकार ने 1200 सीसी और 4 मीटर तक की पेट्रोल, पेट्रोल हाइब्रिड, एलपीजी और सीएनजी कारों पर जीएसटी को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। वहीं, 1500 सीसी और 4 मीटर तक की डीजल , डीजल हाइब्रिड कारों पर टैक्स को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके साथ ही 350 सीसी और उससे कम की मोटरसाइकिल, तिपहिया वाहन और ट्रांसपोर्ट व्हीकल्स पर टैक्स की दर को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है।

'ये हमारी राजधानी पर भयानक आतंकी हमला', यरुशलम गोलीबारी पर इस्राइल की कड़ी प्रतिक्रिया

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने यरुशलम गोलीबारी की निंदा करते हुए, इसे अपनी राजधानी पर भयावह आतंकी हमला करार दिया। इस्राइली सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि ऐसी घटनाएं उनके देश में पहले हुए अत्याचारों की याद दिलाती हैं। दो फलस्तीनी हमलावरों ने सोमवार को यरुशलम के एक व्यस्त चौराहे पर गोलीबारी की, जिसमें छह इस्राइली नागरिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हैं। हमले के तुरंत बाद ही दोनों हमलावरों को ढेर कर दिया गया।

'यरुशलम में हुआ हमला एक चेतावनी'

इस्राइल के वित्त मंत्रालय में महालेखाकार याली रोथेनबर्ग ने कहा, 'जहां गोलीबारी हुई, मैं उस बस स्टॉप को जानता हूं, और मेरे एक कर्मचारी की मां उस हमले में मारी गई हैं।' याली रोथेनबर्ग इस समय भारत के दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि 'यह हम सभी के लिए एक चेतावनी है कि हम उन चरमपंथियों से बचें, जो ये अमानवीय कृत्य करते हैं, जो हमारी हर चीज का विरोध करते हैं। इस्राइल में और भारत में भी, हम इस तरह के रिश्ते में भागीदार हैं। जब हम इन चीजों को देखते हैं, तो हमें इस्राइल में हाल ही में और लगभग दो साल पहले हुए अत्याचारों की याद आती है। मानवता की भलाई के लिए, हमारा इससे लड़ने का आह्वान है।'

यरुशलम हमले में छह की मौत

रोथेनबर्ग वर्तमान में इस्राइली वित्त मंत्री बेजेल स्मोट्रिच के नेतृत्व में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होकर भारत का दौरा कर रहे हैं। भारत और इस्राइल के बीच पारस्परिक निवेश और आर्थिक सहयोग बढ़ाने को लेकर समझौता हुआ है। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'यह वह बुराई है जिसका इस्राइल सामना कर रहा है। दो आतंकवादियों ने यरुशलम में एक बस पर गोलीबारी की, यात्रियों, राहगीरों और पहुंच में आने वाले लोगों को निशाना बनाया। हमले में छह लोग मारे गए। एक दर्जन से ज्यादा घायल हुए। इस्राइल जो युद्ध लड़ रहा है वह उन सभी के लिए है जो आतंक के खिलाफ खड़े हैं।'

इस्राइली विदेश मंत्री बोले- दुनिया के देश फैसला करें कि आप इस्राइल के साथ या जिहादियों के साथ

इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने यरुशलम हमले को लेकर कहा कि हम कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में हैं। यूरोप, अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हर देश को फैसला करना होगा कि क्या वे इस्राइल के साथ हैं या फिर जिहादियों के साथ? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस्राइल में हुए आतंकी हमले की निंदा की और कहा कि भारत आतंकवाद के प्रति अपनी शून्य सहनशीलता की नीति पर अडिग है। प्रधानमंत्री ने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को टैग करते हुए एक्स पर कहा, 'भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा करता है और आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की अपनी नीति पर दृढ़ है।'

कोरोना काल में जिस मास्क ने वायरस से बचाया, उससे निकला ' केमिकल टाइम बम ' अब पहुंचा सकता है नुकसान

वॉशिंगटन, एजेंसी। कोरोना महामारी के समय मास्क हमारी जिंदगी का सबसे अहम हिस्सा बन गया था। लोगों ने इसे अपनी सुरक्षा ढाल समझा। मगर अब वही मास्क जिसने हमे खतरनाक वायरस से बचाया, वो एक केमिकल टाइम बम बनकर हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा रहा है। सिर्फ हमारी सेहत नहीं बल्कि पर्यावरण भी इसके जद में है। ये खुलासा हुआ है एक रिसर्च में। कोवेंट्री यूनिवर्सिटी की वैज्ञानिक अन्ना बोगुश और उनके साथी इवान कूर्चेव ने इस पर रिसर्च की। उन्होंने अलग-अलग तरह के नए मास्क 150 मिलीलीटर पानी में 24 घंटे तक रखे और फिर पानी को फिल्टर किया। फिर जो नतीजा निकला वो चौंकाने वाला था।

दरअसल महामारी के दौरान करोड़ों की संख्या में डिस्पोजेबल मास्त इस्तेमाल हुए। हर महीने करीब 129 अरब मास्क दुनियाभर में इस्तेमाल किए जा रहे थे। ये ज्यादातर पॉलीप्रोपाइलीन जैसे प्लास्टिक से बने होते हैं। समस्या ये है कि इनका कोई सही रीसाइक्लिंग सिस्टम नहीं था। नतीजतन ज्यादातर मास्क लैंडफिल में फेंक दिए गए या फिर सड़कों, पार्कों, नदियों, समुद्र तटों और गांव-देहात में कचरे के रूप में बिखर गए। अब ये धीरे-धीरे टूटकर माइक्रोप्लास्टिक और खतरनाक केमिकल्स छोड़ रहे हैं। जब वैज्ञानिक अन्ना बोगुश और उनके साथी इवान कूर्चेव ने मास्क रखे हुए पानी को फिल्टर किया तो हर मास्क से माइक्रोप्लास्टिक निकला। लेकिन सबसे ज्यादा खतरा उन FFP2 और FFP3 मास्कों से निकला जिन्हें महामारी के दौरान सबसे सुरक्षित बताया गया था। इनसे बाकी मास्कों के मुकाबले 4 से 6 गुना ज्यादा माइक्रोप्लास्टिक बाहर आया। इन

नॉर्वे में कड़े मुकाबले में जीती लेबर पार्टी, चार साल और सरकार का नेतृत्व करेंगे पीएम जोनास स्टोरे

ओस्लो। नॉर्वे के आम चुनाव के नतीजे आ चुके हैं और सत्ताधारी लेबर पार्टी ने एक बार फिर जीत हासिल की है। हालांकि लेबर पार्टी को बेहद कड़े मुकाबले में जीत हासिल हुई। नॉर्वे के प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता जोनास गार स्टोरे ने जीत का एलान किया। लेबर पार्टी ने टैक्स और जनकल्याणकारी नीतियों का डर दिखाकर मतदाताओं को अपने पक्ष में किया, जिसका उसे फायदा हुआ।

नॉर्वे में भी दक्षिणपंथी राजनीति का उभार हो रहा है और आम चुनाव के दौरान मतदाताओं के रुझान ने भी बता दिया कि नॉर्वे में भी आने वाले समय में दक्षिणपंथी पार्टियां सत्ता पर काबिज हो सकती हैं। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे अगले चार साल और देश का नेतृत्व करेंगे। लेबर पार्टी की जीत का अंतर महज 2.5 प्रतिशत रहा। लेबर पार्टी को 28 प्रतिशत वोट मिले और सेंटर लेफ्ट पार्टी ने लेबर पार्टी को समर्थन दिया है। 169 सदस्यीय नॉर्वे की संसद में लेबर पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन को कुल 88 सीटों पर जीत मिली है।

अप्रवासन विरोधी पार्टी की लोकप्रियता में आया उछाल

अप्रवासन विरोधी एंटी इमीग्रेशन प्रोग्रेस पार्टी को रिकॉर्ड 24 प्रतिशत मत मिले हैं। कंजर्वेटिव पार्टी को सिर्फ 15 प्रतिशत मत मिले हैं और यह पार्टी का बीते दो दशकों में सबसे खराब प्रदर्शन है। नॉर्वे के आम चुनाव में अप्रवासन, टैक्स और जनकल्याणकारी नीतियां प्रमुख मुद्दे रहे। हालांकि रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका की टैरिफ नीतियों के बीच मौजूदा सरकार के ही सत्ता में बने रहना नॉर्वे में हित में जा सकता है।

'ये हमारी राजधानी पर भयानक आतंकी हमला', यरुशलम गोलीबारी पर इस्राइल की कड़ी प्रतिक्रिया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अफगानिस्तान के पहाड़ी इलाकों में हाल ही में आए विनाशकारी भूकंप ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 49 गांवों में 5230 घर पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं और 672 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। लेकिन 441 प्रभावित गांवों में से 362 गांवों तक अभी तक राहत और बचाव टीमें पहुंच ही नहीं पाई हैं।

बता दें कि, यह भूकंप 31 अगस्त को आया था, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.0 मापी गई। अब तक कम से कम 2,200 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे-जैसे मलबे से शव निकाले जाएंगे, मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि इस आपदा से लगभग पांच लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें आधे से अधिक बच्चे हैं। इनमें कई ऐसे शरणार्थी भी शामिल हैं जिन्हें हाल ही में पाकिस्तान और ईरान से जबरन वापस भेजा गया था।

यूएन की अफगानिस्तान स्थित मानवीय सहायता प्रमुख शैनन ओ'हारा ने बताया कि पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण राहत टीमों के लिए प्रभावित गांवों तक पहुंचना बेहद कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि जलगांवाबाद शहर से भूकंप के सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके तक पहुंचने में उन्हें साढ़े छह घंटे का समय लगा, जबकि यह दूरी केवल 100 किमी है। रास्ता एक संकरी पहाड़ी सड़क है, जो कई जगहों पर भूस्खलन से गिरे बड़े पत्थरों से बंद हो चुकी है। इसी रास्ते से ही मानवीय सहायता से लदे ट्रक भी ऊपर-नीचे जा रहे हैं। सिसे जाम की स्थिति पैदा हो रही है।

पैदल लौट रहे हैं घायल और भूकंप पीड़ित

ओ'हारा ने बताया, 'जब हम भूकंप के केंद्र की ओर जा रहे थे, तभी हमें कई परिवार पैदल लौटते मिले। वे केवल वही सामान ले जा पा रहे थे, जो अपने हाथों में उठा सकते थे। कई लोग उसी रात के कपड़ों में थे, जब भूकंप आया था। मां-पिता अपने घायल बच्चों को गोद में लिए हुए थीं, जिनके शरीर पर ताजे पट्टे बंधे थे।'

पूरे गांव मिट गए, लाशों की बदबू फैली

जैसे-जैसे राहत टीम केंद्र की तरफ बढ़ी, तबाही का मंजर और भयावह होता गया। कई गांव पूरी तरह मिट्टी में दब गए हैं। जगह-जगह मरे हुए जानवरों की सड़ती लाशों की बदबू फैली हुई है। जिन परिवारों के घर तबाह हो गए, वे भीड़भाड़ वाले टेंटों में रह रहे हैं, जबकि कई लोग खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को मजबूर हैं। बारिश और ठंडी हवाएं उनकी परेशानी और बढ़ा रही हैं।

पानी और स्वच्छता की गंभीर समस्या

ओ'हारा ने चेतावनी दी कि स्थिति बेहद नाजुक है। पीने के लिए साफ पानी उपलब्ध नहीं है। स्वच्छता की कोई व्यवस्था नहीं है। शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि 92% गांव खुले में शौच करते हैं। इस क्षेत्र में पहले से ही हैजा बीमारी आम है। ऐसे में महामारी फैलने का खतरा बहुत ज्यादा है। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को तुरंत साफ पानी, भोजन, टेंट, शौचालय और गर्म कपड़े चाहिए।

कर्नाटक ईवीएम और वीवीपैट के पारदर्शी मूल्यांकन के लिए तैयार, प्रियांक खड़गे ने चुनाव आयोग को फिर लिखा पत्र

बंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा है कि राज्य सरकार ईवीएम और वीवीपैट की पूरी प्रक्रिया की पारदर्शी जांच कराने के लिए तैयार है। इसके लिए न्यायपालिका और उद्योग जगत की निगरानी में यह काम किया जाएगा। प्रियांक खरगे ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पत्र साझा किया, जो उन्होंने 6 सितंबर को चुनाव आयोग (ईसीआई) को भेजा था। इसमें उन्होंने याद दिलाया कि 3 दिसंबर 2024 को भी उन्होंने इसी मुद्दे पर आयोग को पत्र लिखा था।

ईवीएम को लेकर उत्पन्न शंकाओं को दूर करने का सुझाव

अपने पत्र में प्रियांक खरगे ने कहा कि ईवीएम के कामकाज और प्रक्रियाओं में कुछ खामियों को लेकर सवाल उठते रहे हैं। उन्होंने इन शंकाओं को दूर करने के लिए एक कोर्ट-निगरानी में नैतिक हैकाथॉन और ऑडिट कराने का सुझाव दिया है, जिसमें राज्य सरकार पूरा सहयोग करेगी।

कर्नाटक में पारदर्शी जांच की जा सकती है- खरगे

प्रियांक खरगे ने कहा, 'कर्नाटक में मजबूत तकनीकी और शोध संसाधन मौजूद हैं। यहां एक पारदर्शी जांच की जा सकती है, जिससे ईवीएम प्रणाली की गहराई से जांच हो और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का भरोसा बढ़े।' उन्होंने यह भी बताया कि मंत्री रहते हुए कई बार उन्होंने चुनाव आयोग को इस तरह के सुझाव दिए हैं। उनका उद्देश्य सिर्फ चुनावी प्रणाली को मजबूत करना और जनता का विश्वास बढ़ाना है।

'पारदर्शिता के लिए ऐसे कदम उठाना बेहद जरूरी'

उन्होंने महादेवपुरा (बंगलूरू) में गड़बड़ियों, पानीपत (हरियाणा) में ईवीएम की दोबारा गिनती और आलंद (कलबुर्गी) में मतदाता नाम कटने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि इन मामलों ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। प्रियांक खरगे ने पोस्ट में लिखा, 'अब चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि वह इन संदेहों को दूर करे और हमारे लोकतंत्र की विश्वसनीयता को सुरक्षित रखे।'

हर बाढ़ पीड़ित परिवार को 18 हजार और किसानों को मिले 20 हजार... आतिशी ने रेखा गुप्ता सरकार से की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली में बाढ़ से बिगड़े हालात पर दिल्ली विधानसभा की नेता विपक्ष आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बाढ़ ने हजारों परिवारों की ज़िंदगी उजाड़ दी है। जिसके चलते बाढ़ से प्रभावित परिवार अब भी मदद का इंतजार कर रहे हैं। घरों में रखा सामान, फर्नीचर, बर्तन, बच्चों की किताबें, यहां तक कि लोगों के ज़रूरी कागज तक पानी में बह गए। आतिशी ने कहा कि दिल्ली के कई इलाक़ों में अब भी लोग उधार लेकर गुज़ारा कर रहे हैं, लेकिन सरकार की तरफ़ से राहत का इंतज़ार लंबा होता जा रहा है। जिन परिवारों को आज तुरंत मदद चाहिए थी, उन्हें सरकार के दफ़्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

बाढ़ पीड़ितों को मुआवजा देने की मांग

नेता विपक्ष ने कहा कि सरकार की लापरवाही ने बाढ़ पीड़ितों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। हालात को देखते हुए आतिशी ने हर प्रभावित परिवार के सभी बड़े सदस्यों को कम से कम 18,000 रुपये की आर्थिक मदद देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई, उन्हें 20,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवज़ा मिले। आतिशी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जब लोग अपने घर बचाने के लिए पानी में डूबते-उतराते रहे, उस समय सरकार सिर्फ़ बयानबाज़ी करती रही। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुख की बात है कि आज की सरकार जनता को उनके हाल पर छोड़कर चुप बैठी है।

आम आदमी पार्टी की सरकार की याद दिलाई

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार थी, तब हालात अलग थे। चाहे प्रदूषण का संकट आया हो, बारिश और पानी भराव की समस्या रही हो या फिर महामारी जैसी आपदा- AAP सरकार ने हमेशा तुरंत राहत पैकेज और मदद पहुंचाई। लोगों को भरोसा था कि संकट की घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी मिलेगी। लेकिन आज वही दिल्लीवासी खुद को बेसहारा महसूस कर रहे हैं।

जनता अब साफ़-साफ़ देख रही है कि पहले की सरकार और आज की सरकार में कितना बड़ा फर्क है। पहले जहां उन्हें भरोसा और राहत मिलती थी, वहीं अब सिर्फ़ इंतज़ार और निराशा है। रेखा गुप्ता सरकार की चुप्पी और नाकामी ने यह साबित कर दिया है कि दिल्ली की जनता की चिंता अब बीजेपी सरकार की प्राथमिकता में नहीं है।

नई शुरुआत को लेकर एक्साइटेड रीम शेख, शेयर की पोस्ट

रीम अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखती हैं, नए चैप्टर की शुरुआत। अपनी पोस्ट में ही रीम लिखती हैं, गर्म काफी, गुलाब के फूल और नई शुरुआत पसंद है। बताते चलें कि आज 8 सितंबर को रीम शेख अपना जन्मदिन मनाएंगी। इस बात को लेकर ही वह पोस्ट कर रही हैं। जन्मदिन पर वह जिंदगी के एक नए चैप्टर की शुरुआत करेंगी। रीम शेख के फैंस, सोशल मीडिया यूजर्स ने भी एक्ट्रेस को एडवांस में बर्थ डे विश किया है। रीम शेख के करियर फ्रंट की बात करें तो हाल ही में वह रियलिटी शो लाफ्टर शेफ 2 में नजर आईं। रीम शेख इस साल एक वेब सीरीज द फर्जी लव स्टोरी में भी नजर आ चुकी हैं।

उन्होंने 6 साल की उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा, जब उन्हें इमेजिन टीवी के धारावाहिक, देवी... नीर भरे तेरे नैना में मुख्य किरदार निभाने के लिए चुना गया। इस भूमिका के लिए उन्हें 2010 में न्यू टैलेंट पुरस्कार भी मिला था। तब से उन्होंने कई टीवी धारावाहिकों में अभिनय किया है; विशेषकर चक्रवर्ती अशोक सम्राट में कौरवाकी के रूप में। वह विभा उत्पादों के लिए 100 से अधिक टीवी विज्ञापनों में भी दिखाई दी है। रीम ने सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार श्रेणी में कुछ पुरस्कार भी जीते हैं। उनकी पहली फ़ल्मि, गुल मक्का, सबसे कम उम्र की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफ़ज़ई की बायोपिक है। 2018 में, वह कलर्स टीवी के लोकप्रिय शो तू आशिकी में सानया सेठ के रूप में, और साथ ही ज़ी टीवी के धारावाहिक, तुझसे है राब्ता में भी मुख्य भूमिका में नज़र आयी; दूसरे वाले के लिए उन्हें ज़ी ऋषि नया सदस्य पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है।

लव इन वियतनाम एक्ट्रेस अवनीत कौर ने दिखाया बोल्ड अंदाज, कातिलाना अदाओं से फैंस हुए घायल

एक्ट्रेस अवनीत कौर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म लव इन वियतनाम को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. सितंबर में रिलीज होने वाली इस फिल्म का हाल ही में ट्रेलर रिलीज किया गया. अवनीत कौर की इस फिल्म का ट्रेलर काफी पसंद किया जा रहा है. इसी बीच अवनीत कौर ने सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड झलक दिखाकर फैंस का ध्यान खींचा है. उन्होंने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं जो तेजी से वायरल हो रही हैं. अवनीत कौर की अदाओं देखकर लोगों ने रिएक्शन देना शुरू कर दिया.

अवनीत कौर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर की है. अवनीत कौर ने हमेशा की तरह एक बार फिर अपने बोल्ड अंदाज से अपने तमाम चाहने वाले फैंस को आकर्षित किया है.

अवनीत कौर ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान एक से बढ़कर एक कातिलाना अदाओं से फैंस को घायल कर दिया है. अवनीत कौर के खुले बाल उनकी खूबसूरती को बढ़ा रहे थे.

अवनीत कौर ने येलो कलर के गाउन में अपना कर्वी फिगर फ्लान्ट किया है. अवनीत कौर ने गाउन का स्ट्रिप खिसकाकर पोज दिए और सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया.

अवनीत कौर के बोल्ड फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. अवनीत कौर का ग्लैमरस अंदाज फैंस को पसंद आ रहा है और वह जमकर प्यारे रिएक्शन दे रहे हैं.

अवनीत कौर को लेकर एक फैन ने लिखा है, तुम्हारी अदाओं की बात ही अलग है. एक फैन ने लिखा है, हाटनेस ओवरलोडेड. एक फैन ने लिखा है, उफ्फ ये खूबसूरती.

अवनीत कौर की फिल्म लव इन वियतनाम सिनेमाघरों में 12 सितंबर को रिलीज होने वाली है. इस फिल्म में अवनीत कौर के साथ एक्टर शांतनु माहेश्वरी नजर आने वाले हैं.

अवनीत कौर के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने टीवी से एक्टिंग शुरू की थी. इसके बाद अवनीत कौर ने फिल्मों में काम करना शुरू किया और आज वह काफी पापुलर हो चुकी हैं.

जाली एलएलबी 3 का दूसरा गाना गिलास ऊँची रखी सान्ग रिलीज़ हुआ

बेलमकोंडा साई श्रीनिवास और अनुपमा परमेश्वरन की फिल्म किष्किंधापुरी का रोंगटे खड़े कर देने वाला ट्रेलर जारी

बेलमकोंडा साई श्रीनिवास, अनुपमा परमेश्वरन, कौशिक पेगल्लापति, साहू गरपति, शाइन स्क्रीन्स का किष्किंधापुरी का रोंगटे खड़े कर देने वाला ट्रेलर जारी

बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास अपनी आगामी फिल्म किष्किंधापुरी से रोमांचित होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह अपनी तरह की पहली रहस्यमयी थ्रिलर है जिसने अपने दिलचस्प टीज़र और मनमोहक गीत से पहले ही उत्सुकता जगा दी है। कौशिक पेगल्लापति द्वारा निर्देशित और शाइन स्क्रीन्स बैनर तले साहू गरपति द्वारा निर्मित, इस फिल्म ने अब अपने मनोरंजक थिएट्रिकल ट्रेलर के रिलीज़ के साथ उम्मीदें और भी बढ़ा दी हैं।

ट्रेलर भूत और रहस्यमयी परिवेश, दोनों के एक भयावह परिचय के साथ माहौल तैयार करता है। किष्किंधापुरी के भयावह शहर में स्थापित, यह कहानी सुवर्ण माया नामक एक अशुभ घर के इर्द-गिर्द घूमती है। जब नायक, उसकी प्रेमिका और जिज्ञासु साथियों का एक समूह अलौकिक मुठभेड़ों की तलाश में घर में प्रवेश करते हैं, तो वे जल्द ही खुद को एक भयावह परीक्षा में फँसा पाते हैं। कहानी उनके भीतर की दुष्ट शक्तियों से बचने के संघर्ष पर आधारित है।

निर्देशक कौशिक पेगल्लापति ने तेलुगु सिनेमा में एक दुर्लभ शैली को सामने लाकर एक साहसिक कदम उठाया है। एक अनोखी कहानी और एक खौफनाक कहानी के साथ, उन्होंने एक ऐसी दुनिया गढ़ी है जो डरावनी है। बेचैन कर देने वाली पृष्ठभूमि और डरावने दृश्य सिहरन पैदा कर देते हैं, जो एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव की ओर इशारा करते हैं।

बेल्लमकोंडा साईं श्रीनिवास, जो अपेक्षाकृत साधारण भूमिका में शुरुआत करते हैं, तनाव बढ़ने पर अपनी पूरी अभिनय क्षमता, अपने नाता विश्वरूपम, का प्रदर्शन करते हैं। उनकी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और प्रभावशाली संवादों ने उन्हें अलग ही पहचान दिलाई है। अनुपमा परमेश्वरन ने दमदार अभिनय किया है, खासकर ट्रेलर के आखिरी पलों में, जहाँ वे भूत-प्रेत से ग्रस्त दिखाई देती हैं।

नेल्लोर सुदर्शन और हाइपर आदी सहित सहायक कलाकार इस अन्यथा गहन थ्रिलर में हास्य राहत प्रदान करते हैं, तथा हास्य और डरावनी का एक स्वागत योग्य संतुलन प्रदान करते हैं।

इस तरह की फ़ल्मि के लिए मज़बूत तकनीकी निष्पादन की ज़रूरत होती है, और किष्किंधापुरी निराश नहीं करती। सिनेमैटोग्राफर चिन्मय सालस्कर ने भूतिया माहौल को खूबसूरती से कैद किया है, जिससे फ़ल्मि का खौफनाक मूड और भी बढ़ गया है। चैतन भारद्वाज का बैकग्राउंड स्कोर इसे और भी रोमांचक बनाता है और सस्पेंस को और भी बढ़ा देता है। कला निर्देशक डी. शिव कामेश और प्रोडक्शन डिज़ाइनर मनीषा ए. दत्त ने दृश्य प्रामाणिकता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जबकि शाइन स्क्रीन्स ने उच्च प्रोडक्शन वैल्यू प्रदान की है। निरंजन देवरामने ने संपादन का कार्यभार संभाला है, जी. कनिष्क क्रिएटिव हेड हैं और दाराहस पलाकोल्लू ने पटकथा का सह-लेखन किया है।

12 सितंबर को रिलीज़ होने में बस कुछ ही दिन बाकी हैं, और ट्रेलर ने किष्किंधापुरी को लेकर चर्चा को और तेज़ कर दिया है। रोंगटे खड़े कर देने वाले पलों, दमदार अभिनय और अनोखे कथानक से भरपूर यह फिल्म रोमांच चाहने वालों और शैली प्रेमियों, दोनों के लिए एक अनोखा अनुभव देने का वादा करती है।

बालीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार ने अपनी फिल्म जाली एलएलबी 3 का नया सान्ग गिलास ऊँची रखी रिलीज़ कर दिया है, और इसट्रैक के साथ फिल्म की एक और धमाकेदार झलक सामने आई है। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, केस जीते या हारे, गिलासऊँची रखी ते स्वैग ऊँची रखी यानी अगर केस जीत भी गए तो, स्टाइल में जीतें! इस सान्ग में वही मस्त और फनी एटीट्यूड है, जिसे दर्शक जाली एलएलबी की फिल्मों से प्यार करते हैं।

सान्ग विक्रम मोन्ट्रोस द्वारा कंपोज़ किया गया है और मेघा बाली, चा घुमन, करण कपाडिया और विक्रम ने इसे गाया है। ट्रैक में करण कपाडिया नेरैप भी किया है, और इसकी लिरिक्स मेघा बाली ने लिखी हैं। इस सान्ग का म्यूजिक कोर्ट रूम ड्रामा के साथ दिलचस्प डांस बीट्स और मस्ती काबेहतरीन मेल है, जो दर्शकों को एक अलग ही मूड में ले जाएगा।

जाली एलएलबी 3 में अक्षय कुमार एक बार फिर से जाली मिश्रा के किरदार में नजर आएंगे, और इस बार वह अरशद वारसी के साथ कोर्ट में भिड़ते हुएदिखेंगे। यह फिल्म 19 सितंबर 2025 को रिलीज़ होने वाली है और इसमें कोर्ट रूम की मस्ती, विवाद, और एक-दूसरे को हराने की जंग होगी। फिल्मके इस नए सान्ग में वो सारी मस्ती और एंटरटेनमेंट दिखाया गया है, जो जाली एलएलबी की फिल्मों का हिस्सा है।

इस बार के सीक्वल में सौरभ शुक्ला, अमृता राव, हुमा कुरैशी और आू कपूर भी अपनी पुरानी भूमिकाओं में लौटते हुए दिखेंगे। फिल्म की कहानी, जैसे कि हर बार, समाज के बड़े मुद्दों और हंसी-ठहाकों का मिक्सचर होगी, जो दर्शकों को न केवल हंसाएगी बल्कि सोचने पर भी मजबूर करेगी।

अब जब गिलास ऊँची रखी सान्ग रिलीज़ हो चुका है, तो जाली एलएलबी 3 के लिए दर्शकों का जोश और भी बढ़ने वाला है। यह फिल्म एकऔर धमाल करने के लिए तैयार है, और जैसे-जैसे 19 सितंबर पास आएगा, वैसे-वैसे यह फिल्म बाक्स आफिस पर तहलका मचाने के लिए तैयार है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com